दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 302 | ग्वालियर , मंगलवार 08 दिसम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

तेलुगू एक्ट्रेस विजयशांति ने थामा बीजेपी का हाथ, अमित शाह से की थी मुलाकात

हैदराबाद। मशहूर तेलुगू एक्ट्रेस और तेलंगाना की पूर्व सांसद एम विजयशांति ने सोमवार को बीजेपी का दामन थाम लिया। उन्होंने एक दिन पहले ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी, जिसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि वह जल्द ही बीजेपी में शामिल हो जाएंगी। इससे पहले, विजयशांति कांग्रेस में थीं, जहां उन्होंने साल 2014 में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। अमित शाह से मुलाकात के बाद, तेलंगाना के बीजेपी नेता जी विवेक वेंकटस्वामी ने कहा था, तेलंगाना के अगले विधानसभा चुनाव में बीजेपी जरूर जीत हासिल करेगी। विजयशांति जी राज्य में पार्टी द्वारा लिए जाने वाले फैसलों में मुख्य भूमिका निभाएंगीं।

बीजेपी से ही शुरू की थी विजयशांति ने राजनीति की यात्रा–विजयशांति ने अपनी राजनैतिक यात्रा की शुरुआत बीजेपी से ही की थी। उन्होंने साल 1998 में सबसे पहले बीजेपी ज्वाइन की थी। उन्हें पार्टी ने महिला मोर्चा का सचिव बनाया था। इसके बाद, तेलंगाना आंदोलन के समय उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और खुद की पार्टी बनाई। हालांकि, साल 2009 में तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के साथ उन्होंने अपनी पार्टी का विलय कर लिया था। उसी साल वह लोकसभा सांसद भी चुनीं गईं। इसके बाद, साल 2014 में उन्होंने टीआरएस छोड़ कांग्रेस का दामन थाम लिया था।

आपदा को अवसर बना रहे रिश्वतखोर केंद्र को कोविड-19 से संबंधित भ्रष्टाचार की 40,000 शिकायतें मिलीं

नई दिल्ली। केंद्र को कोरोना वायरस से सम्बंधित भ्रष्टाचार की 40,000 शिकायतें मिली हैं। मंत्रालय द्वारा हल की जाने वाली इन भ्रष्टाचार की शिकायतों में कोरोना वायरस से जुड़े मामले शामिल हैं। इनमें कोरोना वायरस से निपटने के दौरान रिश्वतखोरी, सरकारी अधिकारियों द्वारा गबन और उत्पीड़न जैसी मामले शामिल है। इस साल अप्रैल में, सरकार ने कोरोना वायरस से सम्बंधित किसी भी तरह की शिकायत का त्वरित समाधान करने के लिए एक पोर्टल बनाया था। उसपर अब तक 1,67,000 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से लगभग 1,50,000 शिकायतों को सम्बोधित किया गया है। ये वो शिकायतें थी जिन्हें प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग की वेबसाइट पर डाला गया था।

प्रगति की बैठक में पीएम भी रहे शामिल–एक अधिकारी ने हिन्दुस्तान टाइम्स से बात करते हुए बताया कि यह मुद्दा सबसे पहले 25 नवंबर को प्रगति (प्रो-एक्टिव-गवर्नेन्स एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) की बैठक में सामने आया था। प्रगति में विभिन्न मंत्रालय शामिल हैं। यह सरकार की प्रशासनिक सुधार के लिए की गई पहल है, जिसे 2015 में शुरू किया गया था। अधिकारी ने बताया, बैठक में प्रधानमंत्री भी शामिल थे। वह जानना चाहते थे कि भ्रष्टाचार के मामलें में कितनी शिकायतें मिली हैं और आखिर उन्हें किस प्रकार संभाला गया।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने किया

आगरा में मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का किया शुभारंभ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज आगरा मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण काम का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया. दो कॉरिडोर वाले इस प्रोजेक्ट के जरिए सैलानियों को मदद मिलेगी. इस परियोजना के जरिए टूरिस्ट स्पॉट जैसे ताजमहल, आगरा फोर्ट, सिकंदरा को रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड से जोड़ा जाएगा. आगरा के 15 बटालियन पीएसी परेड मैदान में उद्घाटन कार्यक्रम किया गया.

इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आगरा के पास बहुत पुरातन पहचान तो हमेशा रही है, अब इसमें आधुनिकता का नया आयाम जुड़ रहा है, सैकड़ों वर्षों का इतिहास संजोए ये शहर अब 21वीं सदी के साथ कदमताल मिलाने के लिए तैयार हो रहा है. आगरा में स्मार्ट सुविधाएं विकसित करने के लिए पहले ही लगभग 1,000 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है. आगरा मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण के शुभारंभ के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आधुनिक सुविधाएं और आधुनिका कनेक्टीविटी मिलने से पश्चिमी यूपी का सामर्थ्य और बढ़ रहा है. देश का पहला रैपिड रेल ट्रांसपोर्ट सिस्टम मेरठ से दिल्ली के बीच बन रहा है. दिल्ली-मेरठ के बीच 14 लेन का एक्सप्रेस-वे भी जल्द ही इस क्षेत्र के लोगों को सेवा देने लगेगा. पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश के इंफ्रा सेक्टर की एक बड़ी दिक्कत हमेशा से ये रही थी कि नए प्रोजेक्ट्स की घोषणा तो हो जाती थी लेकिन उसके लिए पैसा कहां से आएगा, इस पर बहुत ध्यान नहीं दिया जाता था. हमारी सरकार ने नई परियोजनाओं की शुरुआत करने के साथ ही, उसके लिए आवश्यक धनराशि के इंतजार पर ध्यान दिया है.

किसान बोले- 3 बजे तक करेंगे चक्का जाम

मंच पर किसी पार्टी के नेता को नहीं चाहते

नई दिल्ली। किसानों ने मंगलवार को भारत बंद का आह्वान किया है. लेकिन एक दिन पहले ही राजनीतिक दल आज़ादपुर मंडी समेत दिल्ली की सभी मंडियों में मंगलवार को कामकाज नहीं होगा. व्यापारियों ने मंडी में व्यापार बंद

इसके लिए मोर्चा संभाल रहे हैं. अरविंद केजरीवाल, अखिलेश यादव, ममता बनर्जी ने कृषि कानून के मसले पर किसानों के समर्थन की बात ही. दूसरी ओर किसानों ने कहा है कि मंगलवार को सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक भारत बंद रहेगा.किसानों के भारत बंद के समर्थन में सभी मंडिया बंद रहेंगी. दिल्ली के व्यापारियों ने ऐलान किया है कि भारत बंद के समर्थन में करने का निर्णय लिया है. व्यापारियों ने आज़ादपुर मंडी के सभी गेटों पर भारत बंद के समर्थन में बैनर लगाए हैं. कल के भारत बंद को देखते हुए पुलिस एवं प्रशासन के उच्चाधिकारियों के साथ राजस्थान में लॉ एन्ड ऑर्डर को लेकर विस्तार से चर्चा की. मैंने सभी वर्गों से किसानों के समर्थन में 8 दिसंबर को होने जा रहे के दौरान शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है. पंजाब एवं हरियाणा के किसान जो अभी तक आंदोलन कर रहे हैं उनका पूरे देशभर में अच्छा सन्देश गया है क्योंकि वे पिछले 12 दिन से बहुत ही शांतिपूर्ण एवं अहिंसात्मक तरीके से संघर्ष कर रहे हैं और अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं.

किसानों का समर्थन करें कानूनी समुदाय के लोग

दिल्ली बार काउंसिल की एक्शन कमेटी के चीफ को-ऑर्डिनेटर राजीव खोसला और ऑल बार एसोसिएशन ऑफ दिल्ली के चेयरमैन संजीव नासिर ने कहा कि कानूनी समुदाय से जुड़े सभी सदस्य 8 दिसंबर को किसानों के भारत बंद के आह्वान का समर्थन करें.

कुछ पार्टियां माहौल खराब कर रहीं- सीएम योगी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए हैं. लेकिन कृषि कानूनों पर कुछ राजनीतिक दल राजनीति कर रही है. कुछ पार्टियां माहौल खराब करने की कोशिश कर रही हैं.

कांग्रेस को एक और झटका, सीनियर लीडर गुडुर नारायण रेड्डी ने दिया इस्तीफा

हैदराबाद। तेलंगाना में कांग्रेस को एक और झटका लगा है. मेंबर और तेलंगाना कांग्रेस के कोषाध्यक्ष गुडुर नारायण रेड्डी ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. इस बाबत उन्होंने कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी को पत्र लिखा है. रेड्डी लगभग चार दशक तक कांग्रेस में सक्रिय थे. सूत्रों के मुताबिक, दिग्गज कांग्रेस नेता रेड्डी बीजेपी में शामिल होने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. सोमवार को सोनिया गांधी को संबोधित एक पत्र में, गुडुर नारायण रेड्डी ने कहा कि उन्होंने 1981 में अपने छात्र जीवन से लेकर आज तक कांग्रेस पार्टी की सेवा की है. कांग्रेस के नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए, उन्होंने कहा कि वह अब तेलंगाना कांग्रेस के कोषाध्यक्ष,सदस्य और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं.

बाबरी विध्वंस की बरसी को याद कर स्वरा भास्कर बोलीं– चाहे जितनी लीपा–पोती कर लो

भगवान का घर तोड़ना पाप होता है

नई दिल्ली। अयोध्या में राम जन्मभूमि को लेकर दशकों तक चले विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद अब विराम लग गया है और भव्य राम मंदिर का निर्माण शुरू हो गया है लेकिन यह जान लेना महत्वपूर्ण होगा कि संबंधित स्थल पर बनी बाबरी मस्जिद को 28 बरस पहले कारसेवकों ने छह दिसंबर के दिन गिरा दिया था। अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने बाबरी विध्वंस की बरसी को याद करते हुए कहा है कि चाहे जितनी लीपा पोती कर लो, भगवान का घर.. किसी के भी भगवान का घर तोड़ना पाप होता है। बता दें कि स्वरा भास्कर कई मुद्दों पर अपनी बात रखते हुए नजर आ चुकी है। अयोध्या में बाबरी मस्जिद का विवादित ढांचा गिराने को लेकर आए सीबीआई के फैसले पर भी अपनी प्रतिक्रिया दे चुकी हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में घटी यह घटना इतिहास में प्रमुखता के साथ दर्ज है। इससे देश के दो संप्रदायों के बीच दरार और गहरा गई थी।

कोरोना से कहर के बीच देश को 140 दिन बाद मिली यह बड़ी खुशखबरी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस कहर के बीच भारत को करीब 140 दिनों बाद एक बड़ी राहत मिली है। देश में कोरोना वायरस के कुल एक्टिव मामले 4 लाख से नीचे हो गए हैं। भारत में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या सोमवार को 396729 दर्ज की गई। इससे पहले चार लाख से नीचे एक्टिव केसों की संख्या 20 जुलाई 2020 को 3,90,459 दर्ज की गई थी। पिछले दस दिनों के कोरोना वायरस के ट्रेंड को देखा जाए तो भारत में 24 घंटे में रोजोना मिलने वाले कोरोना केसों के मुकाबले रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या ज्यादा दर्ज की जा रही है। सोमवार को आए डेली डेटा के मुताबिक, आज पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 32,981 नए पॉजिटिव केस पाए गए, जबकि इससे ठीक होने वाले लोगों की संख्या 39,109 थी। यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी है। देश में कोविड-19 के मामले बढ़कर 96.77 लाख के पार चले गए हैं, लेकिन 91.39 लाख से अधिक लोगों के संक्रमण मुक्त होने के साथ ही देश में अब चार लाख से कम लोगों का ही कोरोना वायरस का इलाज चल रहा है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार एक दिन में कोविड-19 के 32,981 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 96,77,203 हो गए। वहीं 391 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,40,573 हो गई।आंकड़ों के अनुसार देश में अभी 3,96,729 लोगों का कोरोना वायरस का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 4.10 प्रतिशत है। उसके अनुसार 91,39,901 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के साथ ही, देश में मरीजों के ठीक होने की दर 94.45 प्रतिशत है, वहीं कोविड-19 से मृत्यु दर 1.45 प्रतिशत है।

राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने जाने के बाद

सुशील मोदी के नाम बना एक रिकॉर्ड

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुन लिए गए हैं। सोमवार को को निर्वाची पदाधिकारी सह प्रमंडलीय आयुक्त संजय अग्रवाल ने सुशील मोदी को प्रमाणपत्र सौंपा। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद समेत कई मंत्री व नेता उपस्थित थे। भाजपा नेता सुशील मोदी पहले विधानसभा, लोकसभा और फिर विधान परिषद के बाद अब राज्यसभा सदस्य बन गए। सुशील मोदी बिहार के ऐसे तीसरे नेता बने हैं जो चारों सदनों के

सदस्य रहे हैं। राज्यसभा का प्रमाणपत्र लेने के बाद सुशील मोदी भाजपा के इकलौते ऐसे नेता हैं, जो चारों सदनों के सदस्य बने। सुशील मोदी से पहले राजद प्रमुख लालू यादव चारों सदन के सदस्य रह चुके हैं। लालू यादव के अलावा एक और शख्स पूर्व केंद्रीय मंत्री नागमणि हैं, जो चारों सदनों के सदस्य रह चुके हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सुशील मोदी ने बिहार की बड़ी सेवा की है। मुझे पूरा भरोसा है कि पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन में ये देश की सेवा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग का लाभ बिहार को मिल रहा है और आगे भी मिलता रहेगा।

संघी और बी टीम कहे जाने पर भड़के कमल हासन, कहां- मैं सिर्फ गांधी का बी टीम

चेन्नई। तमिलनाडु का विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही राज्य का राजनीतिक तापमान बढ़ता जा रहा है. इस बार के विधानसभा चुनाव में सक्रिय रोल अदा करने जा रहे अभिनेता से नेता बने कमल हासन राज्य के दूसरे सियासी दलों पर लगातार हमला कर रहे हैं. एक बयान में उन्होंने कहा है कि जो लोग भ्रष्टाचार की तारीफ करते हैं वही लोग उन्हें संघी या बी टीम कहते हैं. कमल हासन ने कहा कि वे सिर्फ महात्मा गांधी के सिद्धांतों का पालन करने वाले लोगों के लिए बी टीम हैं. बता दें कि कमल हासन की पार्टी के विधानसभा चुनाव में उतरने की खबरों के बीच कई पार्टियां उन्हें बी टीम का दर्जा दे रही हैं. राज्य की मुख्यधारा की पार्टियों पर हमला करते हुए एमएनएम अध्यक्ष कमल हासन ने कहा कि कुछ लोग जिंदगीभर तमिलनाडु में भ्रष्टाचार और स्वार्थ की राजनीति कर रहे थे, आज जब उनका भ्रष्टाचार खतरे में हैं तो वे लोग एक साथ आ गए हैं. अभिनेता से नेता की पारी शुरू करने जा रहे कमल हासन ने कहा कि क्या ये वही लोग नहीं हैं जिन्होंने तिहाड़ जेल और परपन्ना अग्रहार जेल में वक्त गुजारे हैं. उन्होंने कहा कि वे सिर्फ गांधी के बी टीम हो सकते हैं जिन्होंने सिद्धांतों पर अपनी जिंदगी को जिया. बता दें कि तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होना है.

लद्दाख में चीन की चालाकी का असर ?

कारोबार में भारत ने ड्रैगन को दिया झटका, ज्यादा एक्सपोर्ट कर कम किया इम्पोर्ट

> बीजिंग में भारतीय दूतावास द्वारा इकट्ठे किए आंकड़ों के अनुसार, 2019 में भारत चीनी कार्बनिक रसायन, उर्वरक, एंटीबायोटिक्स और एल्यूमीनियम फॉइल के लिए सबसे बड़ा एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन था। साल 2019 में भारत चीन के लिए 12वां सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर देश था। चीन सबसे ज्यादा ट्रेड अमेरिका, जापान, हॉन्ग-कॉन्ग, साउथ कोरिया, ताइवान, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, मलेशिया, ब्राजील और रूस के साथ करता है।

बीजिंग। चीन से सीमा विवाद शुरू होने के बाद से भारत लगातार उसे झटके पर झटके दे रहा है। कुछ ही महीनों के भीतर कई चाइनीज कंपनियों की मोबाइल ऐप्स ब्लॉक करने के बाद भारत ने पड़ोसी देश को एक और झटका दिया है। दरअसल, भारत ने चीन से पिछले कुछ महीनों के अंदर काफी कम इम्पोर्ट किया है, जबकि उसका चीन को एक्सपोर्ट बढ़ा है। चीन के हालिया डेटा के अनुसार, भारत द्वारा चीन को साल 2020 के पहले 11 महीनों में किया गया एक्सपोर्ट 16 फीसदी बढ़ा है। इस डेटा में खास बात यह है कि सालभर दोनों देशों के बीच कोरोना वायरस और सीमा विवाद की वजह से कई बार आमना-सामना भी देखा गया है। चीनी मीडिया द्वारा दिखाए

गए डेटा के अनुसार, इसी समयसीमा में भारत ने चीन से 13 फीसदी कम इम्पोर्ट किया है।डेटा को दिखाते हुए चीनी मीडिया ने एक झूठा और मनगढ़ंत दावा किया है। पड़ोसी देश की मीडिया का कहना है कि चीन ने पूर्वी लद्दाख की वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के गतिरोध वाले मामले का राजनीतिकरण नहीं किया, जबकि नई दिल्ली ने चीन द्वारा किए जाने वाले एक्सपोर्ट पर अंकुश लगाया।वहीं, चीनी सरकार के भोंपू ग्लोबल टाइम्स ने हालिया रिपोर्ट में कहा है कि महामारी के चलते भारत में डिमांड में कमी आई है, जिसकी वजह से चीन का भारत को एक्सपोर्ट काफी कम हुआ है। लेख में कहा गया, सोमवार को जारी किए गए सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, चीन ने जनवरी से नवंबर तक भारत में लगभग 59 बिलियन डॉलर के उत्पादों का एक्सपोर्ट किया, जो 13प्रतिशत से कम है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश मो. 8269307478,7999246560

Website - www.pushpanjalitoday.com,
Email - pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर....

प्रदेश अध्यक्ष ने आज सघंठन के सदस्यों को आइडी कार्ड सुपुर्द किये

नारायणलाल सैणचा

चैत्रई। सघंठन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानंद ने सघंठन सदस्यों का आईडी कार्ड देने का कार्य का शुभारंभ किया गया तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन ने सघंठन के सदस्यों को सघंठन का आईडी कार्ड या नि सघंठन का पहचान पत्र देने का कार्य आज तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन आवडी शाखा के सदस्यों का आईडी कांड प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द ने सघंठन के प्रदेश उपाध्यक्ष आणदप्रकाश शर्मा को सुपुर्द किया। अगले तिन दिनो मे करीब 2500 सदस्यों को सघंठन का आईडी कार्ड दे दिया जाएंगा तमिलनाडु पौन ब्रोकर्स एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन।

सभी जिलों में रोको-टोको अभियान के तहत की जाएँ गतिविधियाँ

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिये स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के साथ-साथ जन जागृति के लिये चलाए जा रहे रोको-टोको अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों में किया जाए। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रतिदिन जन जागृति के लिये हो कार्यक्रम आयोजित। समझाइश के साथ-साथ अर्थदण्ड व खुली जेल का भी किया जाए प्रयोग। संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों के सभी अधिकारियों से चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि कोविड के संक्रमण को देखते हुए सभी जिलों में सभी प्रबंधन किए जाएं और इस पर सतत निगरानी भी रखी जाए। रोको-टोको अभियान के तहत जिला स्तर के सभी अधिकारियों को भी अपने-अपने विभाग स्तर से अभियान चलाकर कार्रवाई करने के लिये तैनात किया जाए। संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने यह भी कहा कि जिला स्तर पर कलेक्टर कोविड संक्रमण की रोकथाम के लिये किए जा रहे प्रबंधनों की नियमित समीक्षा करें और शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में भी जन जागृति के लिये कार्यक्रम आयोजित होते रहें, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें। शहर व ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे स्थल जहां पर प्रतिदिन भीड़भाड़ रहती है वहाँ जन जागृति के कार्यक्रम नियमित रूप से किए जाएं। समझाइश के पश्चात भी लोग न मानें तो अर्थदण्ड के साथ-साथ खुली जेल का प्रयोग भी किया जाए।

प्रदेश में वनवासियों के 2 लाख 60 हजार से अधिक हक प्रमाण-पत्र वितरित

ग्वालियर। प्रदेश में वन भूमि पर काबिज वनवासियों को उनकी जमीन के हक प्रमाण-पत्र वितरित किये जाने का कार्य निरंतर जारी है। अब तक आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा करीब 2 लाख 60 हजार से अधिक वन भूमि के व्यक्तिगत एवं सामूहिक दावें मान्य किये जा चुके हैं। जिन दावों को पूर्व में निरस्त किया गया है। उनके पुनरीक्षण का कार्य विभाग द्वारा निरंतर किया जा रहा है। विभाग द्वारा वनवासियों के 2 लाख 38 हजार 405 व्यक्तिगत दावे और 29 हजार 996 सामुदायिक दावे मान्य किये गये हैं। जिन वनवासियों को हक प्रमाण-पत्र मिले है उन्हें राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत मदद भी दी जा रही है। करीब 62 हजार वनवासियों को आवास, 55 हजार वनवासियों को कपिलधारा, 60 हजार वनवासियों को भूमि समतलीकरण और करीब 25 हजार वनवासियों को सिंचाई सुविधा के लिये डीजल एवं विद्युत पम्प उपलब्ध कराये गये हैं। सामूहिक दावों के मामलों में मध्यप्रदेश देश पर पहले स्थान पर है। वनाधिकार अधिनियम के तहत जिला डिण्डोरी में विशेष पिछड़ी जनजाति समूह की 7 बसाहटों के हेबीटेट राईट मध्यप्रदेश में सबसे पहले दिये गये हैं। वनाधिकार के क्रियान्वयन के लिये प्रदेश में तीन स्तरों पर वनाधिकार समितियों का गठन किया गया है। यह समितियाँ ग्राम स्तर, उप खण्ड और जिला स्तर पर काम कर रही हैं। प्रदेश में वनाधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन जनवरी 2008 से प्रारंभ किया गया था। देश भर में सबसे पहले वनाधिकार अधिनियम को मध्यप्रदेश में लागू किया गया। वनाधिकार हक प्रमाण-पत्र धारकों के अभिलेखों के संधारण, नामांतरण एवं बटवारे की प्रक्रिया वन विभाग द्वारा निर्धारित की जा चुकी है। वन विभाग को एक लाख 56 हजार अभिलेख एवं दस्तावेज संधारण के लिये जनजाति कार्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराये जा चुके हैं।

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाह आज विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे

ग्वालियर। उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह 8 दिसम्बर को ग्वालियर जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह 8 दिसम्बर को प्रातः 9.30 बजे से ठाठीपुर स्थित स्थानीय कार्यालय जी-13 में आम जन से भेंट करेंगे। इसके बाद दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट पहुँचकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केबिनेट मीटिंग में शामिल होंगे। श्री कुशवाह दोपहर एक बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में एक दर्जन से अधिक दिव्यांगजनों को बैटरीयुक्त मोटराईज्ड ट्राईसिकल सौंपेंगे।

आपका संबल- आपकी सरकार कार्यक्रम 10 दिसम्बर को मुख्यमंत्री श्री चौहान वितरित करेंगे हितग्राहियों को हितलाभ

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 10 दिसम्बर को अपरान्ह 3 बजे मिंटो हॉल में आपका संबल - आपकी सरकार कार्यक्रम में संबल योजना के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक कर डीबीटी के माध्यम से हितलाभ वितरित करेंगे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण होगा। प्रमुख सचिव श्रम श्री उमाकांत उमराव ने जानकारी दी है कि यह कार्यक्रम 30 जिलों की 188 जनपद पंचायत, 9 नगर निगम, 48 नगरपालिका और 149 नगर परिषद् में आयोजित होगा।

गोहद खण्ड शिक्षा अधिकारी की मनमानी के सामने बोना प्रशासन

भृष्टाचार के प्रमाणों के बाद भी नहीं हटाये जा रहे प्रभारी खण्ड शिक्षा अधिकारी ?

गोहद- वर्तमान खण्ड शिक्षा अधिकारी गोहद ने खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय का व्यवसायीकरण कर भृष्टाचार व लूट का केंद्र बनाकर रख दिया है। कहने को तो शिक्षा विभाग पवित्रता, आदर्श व संस्कारो का विभाग माना जाता है, परन्तु प्रभारी खण्ड शिक्षा अधिकारी किशनलाल शेजवार के लिए यह सब बातें मिथक है उनके लिए यह अपवाद है। शेजवार मूलरूप से शासकीय कन्या स्कूल में प्राचार्य के पद पर पदस्थ है। शेजवार कुछ समय पूर्व तक पेसो व राजनीतिक रसूख के चलते बीआरसीसी, बीईओ एव प्राचार्य के पद सम्भालकर शिक्षा विभाग में स्वयंभू के रूप में कार्य करकर भृष्टाचार कर रहे थे। शेजवार ने विगत मई 2019 धन बल के दम पर शासकीय कन्या में प्राचार्य के रूप में पदस्थ हुए। मध्यप्रदेश शासन शिक्षा विभाग द्वारा पूर्व में सहायक संचालक श्रीमती मंजू बरोदिया के रूप में आदेश क्रमांक 6390 दिनांक 19-08-2019 के तहत खण्ड शिक्षा अधिकारी गोहद के पद पर पदस्थ किया है किन्तु किशनलाल शेजवार नियम विरुद्ध वेतन आहरण संवितरण का प्रभार लेकर कार्य कर रहे हैं।

पूर्व से आरोपों से घिरे शेजवार को किया प्राचार्य पद पर पदस्थ?- ज्ञात हो कि शेजवार भृष्टाचार के चलते कन्या विद्यालय के कस्तूरबा छात्रावास में पाई गई अनियमितताओं के कारण आयुक्त लोक शिक्षण संचनालय भोपाल के आदेश क्रमांक 1191 दिनांक 27-08-18 के क्रम में निलंबित किया गया था। परन्तु वरिष्ठ अधिकारियों से साठ गांठ कर शेजवार को शासकीय कन्या विद्यालय में प्राचार्य के पद पर पदस्थ कर दिया गया । प्रभारी खण्ड शिक्षा अधिकारी शेजवार द्वारा 50 से अधिक शिक्षकों को भृष्टाचार कर अन्य स्थानों पर अटेचमेंट भी किया गया। शासन के नियमो को धता बताते हुए 20 से अधिक शिक्षकों को सुविधा अनुसार वेतन निकाल कर बिना स्थानातरण् नीति के स्थानांतरण तक कर दिए जो शासकीय नीतियों पर कुठाराघात कहा जा सकता है।

फर्जी अतिथि शिक्षकों को नियुक्त कर निकाला

वेतन संकुल प्राचार्य नहीं नियुक्ति की जानकारी- पैसा कमाने के ललक व वरिष्ठ अधिकारियों से सांठ गांठ में माहिर खण्ड शिक्षा अधिकारी किशनलाल शेजवार ने भृष्टाचार को यहीं विराम नही दिया, कई ऐसे अतिथि शिक्षकों को नियुक्त कर दिया जिसकी जानकारी विद्यालय के प्रधानाध्यापक व संकुल प्राचार्य तक को नही थी शेजवार ने स्वयं के हस्ताक्षर से वेतन आहरण की प्रक्रिया पूरी कर रिकॉर्ड तैयार कर लिया यहाँ तक की कुछ अतिथि शिक्षकों का फर्जी भुगतान भी कर दिया गया। अतिथि शिक्षक स्कूलों में नही है इसका खंडन चंदोखर प्राचार्य धर्मेंद्र तोमर व माता का पूरा प्राचार्य ने किया है इसके अलावा शासकीय स्कूल गिरगांव, शासकीय हा.से. मौ व अन्य स्कूल भी शामिल है। यह जानकर आश्चर्य होगा कि प्रभारी खण्ड शिक्षा अधिकारी शेजवार द्वारा अपने चहेते शिक्षकों का अटेचमेंट कर उनको शासकीय शिक्षकों के स्वत्वों व निजी विद्यालयों से अवैध रूप से धन उगाही/वसूली पर लगाया है। आयुक्त चम्बल सम्भाग द्वारा ऐसे शिक्षकों पर कार्यवाही करने के आदेश जारी किया गया था परंतु शेजवार द्वारा नियुक्त शिक्षकों पर कार्यवाही करेगा कौन? इसलिए आयुक्त के आदेश को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शेजवार द्वारा विकास के नाम पर जन सामान्य व निजी स्कूलों से भी बड़ी तादाद में चंदा वसूला गया है।

क्या शेजवार को है अधिकारियों और नेताओं का संरक्षण?- सूत्रों की मानें तो शेजवार को वरिष्ठ अधिकारियों व कुछ राजनेताओं से संरक्षण प्राप्त है इसके चलते पूर्व में लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच किये बिना ही खण्ड शिक्षा अधिकारी बना दिया गया। इस भ्रस्ट अफसर पर शासन द्वारा कार्यवाही नही की गई तो ऐसे अधिकारी शिक्षा का व्यापारीकरण कर शिक्षा विभाग को भृष्टाचार व लूट का केंद्र बना देंगे साथ ही अन्य शिक्षक भी अध्यापन जैसे पवित्र कार्य को छोड़कर भृष्टाचार एवं अनियमितता जैसे मार्गो पर चलने को मजबूर होंगे तथा विद्यालय जिसे शिक्षा का मंदिर कहा जाता है? जहाँ से कई अफसर, जनसेवक निकलते है वो ऐसे अधिकारियों की वजह से बदनाम हो जायेगा अब देखने वाली बात यह है कि इस अधिकारी पर शासन कोई कार्यवाही करता है या छोड़ दिया जायेगा भृष्टाचार और मनमानी करने के लिए। पूर्व में खबर लगाए जाने पर जब इस सम्बंध में जिला शिक्षा अधिकारी से पूछा गया तो उनका कहना था कि जाँच चल रही है कल जांच रिपोर्ट आ जायेगी रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही करने का निर्णय लिया जायेगा, जब आज उनका पक्ष जानने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी को कॉल किये तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया।

इनका कहना है

रिकॉर्ड ले अनुसार यहाँ कोई अतिथि शिक्षक पदस्थ नही है और न ही यहाँ से कोई भुगतान हुआ है।

धर्मेंद्र तोमर प्राचार्य चंदोखर

मैं 2019- 20 के सत्र जुलाई 2019 से मार्च 2020 में कोई अतिथि शिक्षक न होने के प्रमाणीकरण पहले ही दे चुका हूं।

रामोतार प्रभारी प्रधानध्यापक माता का पुरा

किसानों की मांगों को लेकर एकता परिषद के कार्यकर्ता एक दिवसीय उपवास पर बैठे

किसान विरोधी तीन कृषि बिलों को लेकर किसान सडकों पर है तथा अपने को किसानों का हितैषी बताने वाली सरकार उनके आंदोलन को कुचलने को तैयार है कार्पोरेट को लाभ पहुंचाने वाले इन बिलों को किसानों के लिए फायदेमंद बताकर सरकार जबरदस्ती किसानों पर थोपना चाहती है सवाल यह पैदा होता है कि यदि किसान इसे अपने लिए लाभ प्रद नहीं मानता है तो सरकार को इन्हें वापस लेने में क्या परेशानी है फिर जिनके लाभ के लिए इन्हें लागू किया जा रहा है क्या सरकार को उनसे चर्चा नहीं करनी चाहिए थी फिर सरकार का कहना है कि वो एम एस पी व मंडी व्यवस्था को समाप्त नहीं करना चाहती है तो फिर मंडी के बाहर कंपनियों को माल क्रय करने की इजाजत देकर उन पर टेक्स न लगा कर उन्हें असीमित भंडारण की अनुमति देकर क्या अप्रत्यक्ष रुप से पुरानी व्यवस्था को समाप्त करने का रास्ता नहीं खोल रही है किसानों को पूंजीपतियों के हाथ में खेलने की स्थिति पैदा कर क्या सरकार किसानों का हित कर रही है या उसका गला घोंटने का कार्य कर रही है

इस नये बिलों से किसान ही नहीं समाज का हर वर्ग प्रभावित होगा यही कारण है कि अब किसानों के आंदोलन के समर्थन में किसान संगठन ही नहीं अन्य वर्गों के लोग भी सामने आ गये हैं इसी क्रम में आज एकता परिषद श्योपुर के कार्यकर्ता एक दिवसीय उपवास पर बैठे हैं ताकि सरकार को सद्बुद्धि मिले तथा वो हठधर्मिता छोडते हुए किसानों की मांगों को स्वीकार करे तथा अपना इंगो को छोड़कर किसान विरोधी तीनों बिल वापस ले तथा पूरे देश में किसानों को एम एस पी की ग्यारंटी प्रदान करें तथा किसानों को आश्वस्त करें कि वर्तमान मंडी व्यवस्था को मजबूत किया जायेगा इस कार्यक्रम में आश्रम प्रबंधक जयसिंह जादौन, कैलाश पाराशर, शैलेन्द्र पाराशर, राधा बल्लभ जांगिड़, हरी मोहन बैरबा, अशोक जाटव, नीतेश बैरागी, आरती शर्मा ज्योति रजक,सुमन लता श्रीवास्तव, विप्लव शर्मा, मनोज कुमार सोनी, राजेश मीणा, कुलदीप शर्मा, अमित अग्रवाल, सत्येन्द्र नरवरिया, अनुराधा अग्निहोत्री, प्रेमचंद्र बैरवा, अनामिका पाराशर ने भागीदारी की।

सपा ने किसानों के आन्दोलन के समर्थन में व पूर्व मुख्यमंत्री के रिहाई के लिए किया आन्दोलन

पुष्पांजली टुडे

देवरिया में सरकार द्वारा मनमानी क्रय विक्रय का रेट लगाने ओ खरीद-फरोख्त के मामले से छुब्ध होकर के जहां किसानों ने दिल्ली हरियाणा मेन रोड को जाम कर रखा है वही उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार देवरिया के सपा जिला अध्यक्ष डॉ दिलीप यादव की अध्यक्षता में सोनू घाट से सुभाष चौक देवरिया तक सैकड़ों की संख्या में अपना विरोध जता रहे पार्टी के अन्य सदस्य गण अशोक कुशवाहा जी, श्यामसुंदर दास एडवोकेट एमएलसी, रामाशंकर विद्यार्थी राष्ट्रीय महासचिव समाजवादी पार्टी, अवनीश यादव पूर्व अध्यक्ष इलाहाबाद छात्र संघ, प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश अशोक कृष्ण यादव, राष्ट्रीय सचिव यूथ जनसभा रामसेवक यादव विधानसभा अध्यक्ष रुद्रपुर ,हैदर अली अल्पसंख्यक विधानसभा अध्यक्ष रुद्रपुर, चंद्रिका निषाद पूर्व प्रत्याशी विधानसभा रुद्रपुर, आदि लोगों ने सैकड़ों किसानों के साथ शांतिपूर्वक रूट मार्च कर रहे थे कि देवरिया की पुलिस ने 3:00 बजे सोनू घाट से चले सपा कार्यकर्ताओं को सुभाष चौक पर गिरफ्तार कर लिया सैकड़ों की तादाद में भारी फोर्स लगा दिए गए और कोई भी सपा कार्यकर्ताओं को कहीं भागने का कोई मौका नहीं दिया गया सपा कार्यकर्ताओं ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को रिहा करने की मांग करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया कुछ कार्यकर्ताओं ने तो गन्ना हाथ में लेकर के कुछ गेहूं चावल हाथ में लेकर के विरोध दर्ज कराया बताते चलें कि कुछ ही समय बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय पूर्व मुख्यमंत्री किसान यात्रा पूरे प्रदेश में चलाने वाले थे देखना यह है यह सरकार किसान विरोधी अपनी दमनकारी नीति से अब तक किसानों की आवाज को दबाते हैं।

धर्मेंद्र सिंह राजावत को 30 से अधिक जिलों में क्षत्रियों को एकजुट करने में मिली सफलता

राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा पंजीकृत मध्यप्रदेश में ठाकुर नंदकिशोर सिंह भदोरिया ग्राम अंगद पुरा बने जिला संयोजक वरिष्ठ प्रकोष्ठ, एवं ठाकुर अनूप सिंह भदोरिया ग्राम मटगाना बने जिला संगठन मंत्री वरिष्ठ प्रकोष्ठ, ठाकुर पुरुषोत्तम सिंह भदोरिया बने जिला प्रचार मंत्री वरिष्ठ प्रकोष्ठ एवं कुंवर राहुल सिंह भदोरिया जिला महासचिव युवा प्रकोष्ठ, विदित हो कि श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा पंजीकृत के प्रमुख राष्ट्रीय संरक्षक श्री अशोक सिंह भदौरिया जी और राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राणा जी से मार्गदर्शन लेकर मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर धर्मेंद्र सिंह राजावत निरंतर संगठन को विस्तार करने की नीति पर काम कर रहे हैं संपूर्ण मध्यप्रदेश में 30 से अधिक जिलों में हजारों की संख्या में उनको क्षत्रियों को एकजुट करने में सफलता प्राप्त होरही है और इसी कारण उनकी और श्री राष्ट्रीय क्षत्रिय महासभा पंजीकृत की लोकप्रियता को देखते हुए प्रत्येक जिले से निरंतर क्षत्रिय उनके साथ जुड़ कर क्षत्रिय समाज के उत्थान के लिए कार्य करना चाहते हैं। भिंड जिले में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षत्रिय समाज के लिए सदैव समर्पित होकर कार्य करते हुए संगठन को और भी मजबूत करें गे। एवं चंबल संभाग अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ कुंवर अजय प्रताप सिंह भदौरिया एवं चंबल संभाग मीडिया प्रभारी संतोष सिंह भदौरिया ने समस्त युवा टीम की ओर से नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी और युवा और वरिष्ठ पदाधिकारी कंधे से कंधा मिलाकर क्षत्रिय समाज के लिए कार्य करें यह हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात होगी।

अपर कलेक्टर श्री फ्रेंक नोबल ने किया धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण रितेश कटरे

बालाघाट। अपर कलेक्टर श्री फ्रेंक नोबल ए ने आज 07 दिसंबर को समनापुर, मगरदर्रा, चरेगांव, लामता, गुडरू, चांगोटोला के धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान जिला विपणन अधिकारी श्री देवेन्द्र यादव भी उनके साथ थे। अपर कलेक्टर श्री फ्रेंक नोबल ने धान खरीदी केन्द्रों के निरीक्षण में पाया कि कुछ केन्द्रों में निर्धारित मात्र से अधिक 41 किलोग्राम तक धान तौला जा रहा है। कुछ केन्द्रों में खरीदे गये धान में नमी का प्रतिशत अधिक पाया गया और कुछ केन्द्रों में धान में बदरा अधिक पाया गया। इस पर उन्होंने खरीदी केन्द्रों के प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे किसानों से निर्धारित मात्रा 40 किलोग्राम 800 ग्राम धान ही तौले, प्रति बोरी इससे अधिक धान न तौला जाये। निर्धारित से अधिक मात्रा में धान तौले जाने पर केन्द्र के प्रभारी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। जिन केन्द्रों पर खरीदी गई धान में नमी अधिक पायी गई उन केन्द्रों में नमी मापक उपकरण को बदलने और धान को सुखाने के निर्देश दिये गये। उन्होंने खरीदी केन्द्रों पर किसानों से चर्चा कर उन्हें धान को अच्छी तरह से सूखाकर एवं छानकर लाने की सलाह दी। अपर कलेक्टर श्री फ्रेंक नोबल ने चरेगांव के पंचायत कार्यालय का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पटवारी मौके पर मौजूद नहीं पाया गया। जबकि शासन के निर्देश है कि पटवारी को सप्ताह में दो दिन अपने मुख्यालय के ग्राम पंचायत में उपस्थित रहना है। इस पर उन्होंने बालाघाट तहसीलदार को निर्देशित किया कि वे चरेगांव के पटवारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करें।

नगर निगम में शामिल ग्रामीण क्षेत्र के वार्ड की हर गली व मोहल्ले के विकास की योजना बनेगी: श्री भारत सिंह

ग्वालियर। नगर निगम में शामिल हुए ग्रामीण क्षेत्र के वार्ड-65 के हर गली व मोहल्ले के सुनियोजित विकास की कार्ययोजना तैयार करें। इस कार्ययोजना को मूर्तरूप देने में धन की कमी नहीं आने दी जायेगी। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राजय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने कही। श्री कुशवाह शहर के वार्ड-65 के अंतर्गत धोकलपुरा से गड्डावाला मोहल्ला तक 53 लाख 66 हजार रूपए की लागत से नाली सहित बनने जा रही डाम्बरीकृत सड़क के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिये जल्द ही जन चौपाल आयोजित की जायेगी, जिसमें जिला प्रशासन एवं नगर निगम सहित अन्य विभागों के अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही समस्याओं का निराकरण कराया जायेगा। सोमवार को सिकन्दर कम्पू स्थित आदित्य गार्डन में आयोजित हुए कार्यक्रम में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने जोर देकर कहा कि वीरपुर बांध का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण भी कराया जायेगा। इस दिशा में वे स्वयं पहल कर सरकार से धन का प्रबंध करायेंगे। श्री कुशवाह ने कहा कोरोना संकट के बाबजूद भी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने विकास का पहिया थमने नहीं दिया है। सरकार आगे भी विकास कार्यों के लिये धन की कमी नहीं आने देगी। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती गीता भूपेन्द्र सिंह तथा सर्वश्री रमेश शर्मा, बलवीर खटीक, रमेश बघेल, घनश्याम कुशवाह व श्रीमती ममता कुशवाह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे।

ग्वालियर शहर में आसान किस्तों में बिना ब्याज के प्लॉट खरीदने का सुनहरा मौका.... नववर्ष के उपलक्ष्य में भारी छूट 25% की जगह 10% देकर के रजिस्टर्ड एग्रीमेंट कराये शेष राशी आसान किस्तों में दें।

सौम्या प्रोपर्टी डीलर

प्लॉट खरीदने व निवेश के लिये सम्पर्क करें

हमारी सुविधाएँ
- विशाल पार्क
- सीवर लाईन
- चौड़ी सड़क आर.सी.सी. रोड
- मेन गेट पर गार्ड की सुविधा
- गेट बंद कॉलोनी
- सी.सी.टी.वी. कैमरा सुविधा
- भव्य मन्दिर
- प्रत्येक प्लॉट पर नल कनैक्शन
- लाईट सुविधा
- बच्चों के लिये पार्क

प्लॉट की कीमत का मात्र 10% देकर रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करायें एवं शेष राशि 90% बिना ब्याज के दें

मो. 9301759475, 9713014463, 9111503705

भारत प्रिंटर्स, पिन्टो पार्क, ग्वा.

VISION 2030

ग्वालियर शहर में पहली बार हर सेवा और वस्तु बहुत ही सस्ती

जियो रीचार्ज एक माह 199 वाला केवल 180 में।
आइडिया और एयरटेल का रीचार्ज केवल 225/- में 249 वाला।
किराना का सामान सबसे सस्ता।
HOME TUITION का डेमो फ्री वो भी 15 दिन।
केक केवल 180/- में फ्री HOME DELIVERY के साथ।
टिफिन सेंटर खाना बिल्कुल घर जैसा।

ऐसे ही 5 लाख प्रोडक्ट्स और 50 से ज्यादा सेवाएँ बस एक कॉल या वॉट्सएप्प, हर सेवा आपके पास।

Only WHATSAPP 9425823988
call-9691937250/- 9516003221

अचानक खुल गई किस्मत, 200 रुपए लीज की जमीन से यह गरीब किसान बन गया लखपति

पन्ना (मप्र)। मध्य प्रदेश का पन्ना जनपद वैसे तो अपने हीरों की खान के लिए प्रसिद्ध है लेकिन कभी कभी यहां के मजदूरों और किसानों की किस्मत भी हीरे जैसी चमक जाती है। यही हुआ यहां के किसान लखन

यादव के साथ, जब खेत में काम करते हुए उनकी किस्मत खुल गई। पन्ना के किसान लखन यादव को खेत में काम करते हुए 60 लाख रुपये का हीरा मिला है। लखन यादव ने पिछले ही महीने 10*10 फीट की इस जमीन को 200 रुपये की लीज पर लिया था। लाखों का हीरा 60.6 लाख रुपये में नीलाम किया गया है।

लखन यादव ने कहा कि हमारी जिंदगी अब पूरी तरह से बदल जाएगी। मैं इस पल को कभी नहीं भूल पाऊंगा। मुट्ठी भर धरती ने मेरी किस्मत बदल दी है। उन्होंने बताया पत्थर और कंकड़ के ढेर में एक हाथ लगने के बाद लखन यादव की खुशी का ठिकाना नहीं है। किसान लखन यादव ने इस जमीन पर दिवाली के बाद खनन शुरू किया था। इस दौरान उन्हें 14.98 कैरेट का हीरा मिला था, जिसे शनिवार को कंकड़ सबसे अलग दिख रहा था। जब उस पर से रगड़ कर धूल हटाया तो वह चमकने लगा। पता चला कि हीरा है तो दिल को सुकून मिला। उसके बाद उसे कलेक्टर ऑफिसर ले गए। वहां हीरा कार्यालय में हीरा होने की पुष्टि हो गई। नीलामी के समय लखन खूब सज-धज कर आए थे। स्टाइलिश कैप और गमछे के साथ माथे पर लाल टीका भी लगा था। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि मैं कुछ भी बड़ा नहीं करने जा रहा हूं। मैं अशिक्षित हूं और मेरे चार बच्चे हैं। इस पैसे से उन बच्चों को पढ़ाऊंगा। किसान लखन यादव पन्ना टाइगर रिजर्व पार्क के विस्थापित हैं। मुआवजे के पैसों से उनके पास खरीदी गई 3 हेक्टेयर जमीन, दो भैंस और अब एक बाइक है। बाइक उन्होंने हीरा कार्यालय से एडवांस में मिली एक लाख रुपये की राशि से खरीदी थी। लखन ने कहा कि मैंने बाइक भतीजों के कहने पर खरीदी है। मैं अपनी साइकिल से खुश था। लखन ने इस जमीन पर आगे भी खुदाई की योजना बनाई है। उन्हें उम्मीद है कि खेत से एक और हीरा मिलेगा।

इमरती देवी को बंगला खाली करने का नोटिस जारी करने वाले अफसर पर गिरी गाज

पेबल,ग्वालियर। चार दिन पहले पूर्व मंत्री इमरती देवी को ग्वालियर में सरकारी मकान खाली करने का नोटिस स्थानीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री ओमहरि शर्मा द्वारा दिया गया था। जैसे ही पूरा मामला सुर्खियों में आया नोटिस देने वाले कार्यपालन यंत्री का तबादला भोपाल कर दिया गया। अफसर का ट्रांसफर तो हुआ ही साथ ही बंगला खाली कराने वाले नोटिस को भी निरस्त कर दिया गया। गौरतलब है कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव हार के बाद इमरती देवी को मंत्री पद से इस्तीफा बिना पढ़ा था और उनको एलॉटेड सरकारी बंगलो को भी खाली करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी। मध्य प्रदेश की पूर्व कैबिनेट मंत्री इमरती देवी को उनके पास कोई सरकारी पद न होने के कारण उनके मंत्री पद के दौरान ग्वालियर में आवंटित 44ए, झांसी रोड़ स्थित सरकारी बंगलो खाली कर आधिपत्य लोक निर्माण विभाग को सौपने का आदेश स्थानीय कार्यपालन यंत्री ओम हरि शर्मा (लोक निर्माण विभाग, ग्वालियर) द्वारा मध्यप्रदेश के गृह विभाग द्वारा दिए गए आदेश के संदर्भ में प्रेषित किया गया था, जिसके बाद उनका स्थानांतरण भोपाल कर दिया गया एवं बंगला खाली करने के आदेश को निरस्त कर दिया गया।

इंदौरः हिस्ट्रीशीटर मनोहर वर्मा का मकान ध्वस्त, भूमाफिया छब्बू का घर भी जमींदोज

इंदौर। इंदौर में नगर निगम, पुलिस व प्रशासन का गुंडा विरोधी अभियान जारी है। इसी अभियान के तहत आज सोमवार सुबह दो स्थानों पर कार्रवाई की गई। एलआईजी लिंक रोड पर निगम पुलिस व प्रशासन की संयुक्त टीम ने भूमाफिया छब्बू के अवैध निर्माण को हटाया। दूसरी कार्रवाई रावजी बाजार में हिस्ट्रीशीटर मनोहर वर्मा के अवैध निर्माण को ढहाने की हुई। वर्मा भाजपा नेता गोपी कृष्ण नेमा के घर पर हुए हमले का भी आरोपी है। वर्मा पर सूदखोरी सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

कार्रवाई के दौरान दोनों स्थानों पर भारी पुलिस बल मौजूद रहा। निगम उपायुक्त देवेंद सिंह ने बताया कि भूमाफिया छब्बू के एलआईजी लिंक वाले मकान को ध्वस्त किया गया है। पुलिस से मिली सूची और निगम के रिकार्ड के अनुसार कार्रवाई की गई है। तीन कार्रवाई होनी थी, एक में कोर्ट का कुछ इश्यू है, इसलिए उसे रोक दिया गया है।छब्बू के एक मंजिला मकान में जेसीबी ने जैसे ही पंजा मारा अगला हिस्सा टूटकर जमीन पर आ गया। कुछ देर की कार्रवाई में पूरा मकान जमींदोज हो गया। निगम उपायुक्त लता अग्रवाल

ने बताया कि रावजी बाजार थाना क्षेत्र के लिस्टेड बदमाश मनोहर वर्मा के मकान पर कार्रवाई की गई है। मकान को खाली करवाकर तोड़ने की कार्रवाई की गई है। वर्मा ने 5 /1 रावजी बाजार में 1800 फीट साइज में तीन मंजिला मकान खड़ा कर लिया था, जो अवैध रूप से निर्मित किया गया था। जेसीबी ने इसे तोड़ने के लिए करीब एक घंटे का समय लिया। मकान बड़ा होने और पड़ोस में मकान होने से इसे बहुत ही एहतियात के साथ गिराया गया। टीआई सविता चौधरी ने बताया कि मनोहर वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इसके ऊपर 302, 307 सहित 7 अपराध दर्ज हैं। हाल ही में इसने भाजपा नेता नेमा के घर पर हमला किया था। ये चार-पांच भाई हैं, मकान पर सभी रहते थे।

भोपाल: तीन तलाक बोलकर तोड़ी शादी

महिला ने पति, सास-ससुर पर दर्ज कराया केस

भोपाल। राजधानी भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में अपनी ससुराल में रह रही 28 वर्षीय महिला को उसके पति ने तीन बार तलाक बोलकर शादी तोड़ ली। महिला ने अशोका गार्डन थाने में पति के खिलाफ शिकायत की है। पुलिस ने शनिवार रात महिला के पति, ननद और सास-ससुर पर केस दर्ज कर लिया है। आरोपी पति समेत परिवार पर प्रताड़ना और मुस्लिम विवाह अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। इस बीच राजधानी भोपाल में तीन तलाक के मामलों में तेजी आई है। पुलिस के मुताबिक, एक महीने में तीन तलाक का यह चौथा मामला है। पुलिस के मुताबिक महिला की शादी अशोका गार्डन में रहने वाले राशिद खान से हुई है। राशिद ठेकेदारी करता है, वह शादी के बाद पत्नी को प्रताड़ित कर रहा

था। महिला ने 2018 में भी आरोपी पति और उसके परिवार के खिलाफ घरेलू हिंसा और प्रताड़ना की लिखित शिकायत थाने में की थी। बाद में कोर्ट में इस मामले को लेकर महिला और उसके परिवार वालों में समझौता हो गया था।

महिला भी मायके से ससुराल आकर रहने लगी। इसके बाद आरोपी का कुछ दिन तक बर्ताव ठीक रहा, लेकिन कुछ समय बीतने के बाद उसने अपनी पत्नी को फिर से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। वह उसके साथ मारपीट भी करने लगा था। सितंबर में 2019 महिला को आरोपी पति ने तीन बार तलाक बोलकर अलग हो गया।इसके बाद महिला अपने मायके चली गई, काफी बार मनाने के बाद उसने अलग होना ही मुनासिब समझा। उसकी एक बेटी भी है, जो मां के साथ ही रहती है। महिला ने दो दिन पहले आरोपी पति और उसके परिवार के खिलाफ अशोका गार्डन में लिखित शिकायत की, जिस पर पुलिस ने महिला के पति, उसकी ननद, सास और ससुर पर केस दर्ज कर लिया है। मामले में अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

भैरव अष्टमी: काशी के कोतवाल का मना जन्मोत्सव, भक्तों ने तलवार से काटा तीन कुंटल का केक

वाराणसी। भैरव अष्टमी के मौके पर सोमवार को काशी के भैरव मंदिरों में भक्तों की भीड़ रही। काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव का जन्?मोत्?सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जन्मोत्सव पर फल और पंचमेवा से निर्मित तीन कुंतल का केक बनाया गया और भक्तों ने तलवार से केक काटा। केक पर कोरोना के खिलाफ जागरूकता संदेश भी लिखा गया। कोरोना के साथ ही कोरोना वैक्सीन की तस्वीर भी उकेरी गई थी। काशी के कोतवाल कहे जाने वाले काल भैरव का विशेष महत्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों या मुख्यमंत्री योगी सभी यहां आ चुके हैं। काशी आने वाला कोई भी अधिकारी बिना यहां हाजिरी लगाए कार्यभार नहीं ग्रहण करता है। हर वर्ष मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को काल भैरव जयंती मनाई जाती है। मान्यता है कि इस तिथि पर भगवान काल भैरव का जन्म हुआ था। इस वर्ष यह तिथि 7 दिसंबर यानी आज है।

मप्र में कोरोना वायरस के 1455 नए मामले, 11 और लोगों की मौत

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1455 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही प्रदेश में इस वायरस से अब तक संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या 214505 तक पहुंच गई। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। राज्य में पिछले 24 घंटों में इस बीमारी से 11 और व्यक्तियों की मौत की पुष्टि हुई है जिससे मरने वालों की संख्या 3337 हो गई है। मध्य प्रदेश के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया, पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण से इंदौर में तीन, भोपाल व जबलपुर में दो-दो और खरगोन, रीवा, मंदसौर एवं सिंगरौली में एक-एक मरीज की मौत की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया, राज्य में अब तक कोरोना वायरस से सबसे अधिक 782 मौत इंदौर में हुई हैं, जबकि भोपाल में 529, उज्जैन में 100, सागर में 144, जबलपुर में 228 एवं ग्वालियर में 186 लोगों की मौत हुई हैं। बाकी मौतें अन्य जिलों में हुई हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में रविवार को कोविड-19 के 533 नए मामले इंदौर जिले में आये, जबकि भोपाल में 324, ग्वालियर में 75 और जबलपुर में 52 नए मामले आए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल 214505 संक्रमितों में से अब तक 197777 मरीज स्वस्थ होकर घर चले गये हैं और 13391 मरीज़ों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। उन्होंने कहा कि रविवार को 1,585 रोगियों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

इटावा में पुलिस इंस्पेक्टर ने दुल्हन का भाई बन कराई शादी

इटावा। अगर कोई पुलिस इंस्पेक्टर टूटी हुई शादी कराने के लिए दुल्हन का भाई बन जाए तो इसे क्या संयोग कहेंगे । जी हॉ, ऐसा ही कुछ हुआ है उत्तर प्रदेश में इटावा के वैदपुरा मे जहॉ पर प्रभारी निरीक्षक हामिद सिद्दीकी टूटी हुई शादी कराने के लिए दुल्हन के भाई बन गए । राज्य में पुलिस की भूमिका पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं लेकिन इटावा में

उसका मानवीय चेहरा सामने आया जिसकी हर ओर तारीफ हो रही है।असल में वैदपुरा इलाके के बनामई गांव में हो रही एक शादी में विवाद इतना बढ़ गया कि दूल्हा और बारात बिना शादी के ही वापस चली गई । विवाद पर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। इसी आधार पर पहले पीआरबी को मामले को समझने और शांत करने के लिए भेजा गया लेकिन जब पीआरवी के माध्यम से मामला शांत होते हुए नहीं दिखाई दिया तो खुद ही प्रभारी निरीक्षक वैदपुरा हामिद सिद्दीकी पहुंचे । वधू पक्ष के और से यह जानकारी दी गई की छोटी सी बात पर विवाद शुरू हुआ जो बढ़ गया । वर पक्ष के लोग दूल्हे को वापस ले करके चले गए । इससे यह स्पष्ट हो गया है कि वह अब शादी करना नहीं चाहते हैं । हामिद ने वापस ले जा रही बरात के मुखिया से टेलीफोन पर बात की जिसमें बरातियो की ओर से जानकारी दी गई कि वह करीब 20 किलोमीटर की दूरी तय कर चुके हैं और अपने घर वापस जा रहे हैं। पुलिस ने दूल्हे समेत सभी लोगों को मौके पर रोका और आननफानन में पुलिस वहां पर पहुंचीं। हामिद वापस जा रही बरात के पास पहुंचे तो बताया गया कि लड़की वालों ने बहुत बुरा व्यवहार किया है इसलिए वह लोग शादी करने के बजाय वापस जा रहे है । उन्होंने दोनो पक्ष के बीच बात कराई और शादी के लिये मना लिया ।

हाथरस केस : चारों आरोपियों हुआ ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफ टेस्ट

हाथरस। हाथरस गैंगरेप कांड में अलीगढ़ जेल में बंद चारों आरोपियों के नार्को टेस्ट कराने की प्रक्रिया पूरी हो गई। चारों आरोपियों को गुजरात से लाकर दोबारा अलीगढ़ जेल में बंद कर दिया गया है। चारों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गुजरात के गांधीनगर से अलीगढ़ लाया गया है। चारों का ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफ टेस्ट कराया गया है।

हाथरस कांड के चारों आरोपी घटना के बाद से अलीगढ़ जेल में बंद है। मामले की सीबीआई जांच कर रही है। विभिन्न पहलुओं पर जांच पड़ताल की जा रही है। बूलगढ़ी गांव से लेकर जेएन मेडिकल कॉलेज, जिला जेल समेत विभिन्न जगह पहुंचकर सीबीआई मामले की जांच कर रही है। घटना की तह तक पहुंचने के लिए पीड़ित व आरोपी परिवार का नार्को टेस्ट कराने की तैयारी की टीम की ओर से की गई थी। लेकिन पीड़ित परिवार ने नार्को टेस्ट कराने से इंकार कर दिया था। वहीं पुलिस ने अलीगढ जेल में बंद चारों आरोपियों का नार्को टेस्ट कराने का निर्णय लिया था। उनको बिना कोई देरी किये 22 नवंबर को चारों

आरोपियों को जिला जेल से निकालकर गांधीनगर गुजराज ले जाया गया था। सीबीआई कोर्ट के आदेश पर हाथरस पुलिस उनको जेल से लेकर गांधीनगर ले गई थी। वहां चारों आरोपियों का ब्रेन मैपिंग व पॉलीग्राफ टेस्ट की प्रक्रिया पूरी हुई। यह प्रक्रिया करीब 10 से 12 दिनों तक चली। चारों को रविवार को करीब 15 दिनों बाद पुनः अलीगढ़ जेल में बंद कर दिया गया है। आलोक सिंह, जेल अधीक्षक, अलीगढ़ जेल ने बताया कि हाथरस गैंगरेप कांड के आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच गांधीनगर के लिए रवाना किया गया था। वहां उनको सीबीआई कोर्ट के आदेश पर ब्रेन मैपिंग व पॉलीगाफ टेस्ट कराया गया। रविवार को चारों आरोपियों को पुन- अलीगढ़ जेल में बंद कर दिया गयसा है।

यूपी में किसानों को बड़ी राहत

नौ दिसंबर को 3209 नलकूप चालकों को नियुक्ति पत्र देंगे सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों को एक बड़ी राहत दी है। अब किसानों को सिंचाई के लिए दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। नलकूप चालकों की नियुक्ति का सबसे अधिक लाभ किसानों को मिलेगा। मुख्यमंत्री नौ दिसंबर को सिंचाई विभाग के 3209 नलकूप चालकों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। महिला सशक्तीकरण को सार्थकता देते हुए इन 3209 नलकूप चालकों में से 516 महिला अभ्यर्थियों की भी नियुक्ति की गई है।

सीएम योगी ने नलकूप चालकों की कमी के वजह से सिंचाई में आ रही दिक्कतों को देखते हुए रिक्त पदों पर भर्ती के लिए उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) को पूरी तरह से पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती कराने के निर्देश दिए थे। आयोग ने भर्ती प्रक्रिया को पूरा करते हुए परिणाम घोषित कर दिया था। आयोग ने 3209 नलकूप चालकों का चयन कर इसकी सूची सिंचाई विभाग को भेजी थी। विभाग ने 3209 नलकूप चालकों को पारदर्शी-निष्पक्ष प्रक्रिया से उनकी योग्यता क्रमांक के अनुसार ऐच्छिक जिले विकल्पों के अनुरूप आवंटित कर दिए हैं।

यह होगा किसानों का लाभ-नलकूप चालकों की नियुक्ति से नलकूप का संचालन और रखरखाव आसान होगा। इससे किसानों को सुचारू रूप से सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा। नलकूप में किसी प्रकार की खराबी आने पर उसे समय से ठीक कराया जा सकेगा। इसके लिए किसानों को बेवजह परेशान नहीं होना पड़ेगा।

गाड़ी रोकने के बाद धरने पर बैठे अखिलेश यादव को पुलिस ने हिरासत में लिया, सपाइयों पर कन्नौज में लाठीचार्ज

लखनऊ। किसान बिल के खिलाफ दिल्ली में किसानों का विरोध प्रदर्शन चल रहा है तो यूपी में इसके समर्थन में समाजवादी पार्टी आज प्रदेश भर में किसान यात्राओं का आयोजन कर रही है। पुलिस ने प्रदेशभर में सपा नेताओं को घर में ही नजरबंद कर दिया है, वहीं कई पूर्व मंत्रियों समेत सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी हिरासत में लिया गया है. प्रशासन ने पहले लखनऊ में उनके घर के बाहर बैरिकेडिंग की थी, जिसके बाद अखिलेश पास में ही धरने पर बैठ गए थे। वाराणसी, लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, पीलीभीत, गोरखपुर, मेरठ सहित कई जिलों में सपा नेताओं के घर के बाहर पुलिस तैनात कर दी गई है। कन्नौज में किसान यात्रा निकालने की जिद पर अड़े सपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। यहां भी कई नेताओं को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन भेज दिया है।

सपा की किसान यात्रा का लाइव अपेडट-

- अखिलेश यादव को हिरासत में ले लिया गया है। प्रशासन ने पहले लखनऊ में उनके घर के बाहर बैरिकेडिंग की थी, जिसके बाद अखिलेश पास में ही धरने पर बैठ गए थे।
- लखनऊ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव और पार्टी कार्यकर्ताओं ने पुलिस द्वारा उनकी गाड़ियों को रोकने के बाद धरने पर बैठे और विरोध प्रदर्शन किया।

-धरने के दौरान अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी किसानों के हर आंदोलन का समर्थन करती है। अखिलेश ने मुख्यमंत्री से पूछा कि किसानों से धान कितने में खरीदा गया है। मक्के की क्या कीमत दी गई थी और गन्ने की फसल का अभी तक कितना बकाया है।

-बदायूं में किसान यात्रा में शामिल होने आ रहे सपा के पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव को पुलिस ने बितरोई पर रोककर शेखूपुर चीनी मिल गेस्ट हाउस ले जाकर नजरबंद कर दिया है।

-सीतापुर में जिलाध्यक्ष छत्रपाल यादव के साथ प्रदर्शन कर रहे सपाइयों को पुलिस ने खदेड़ा। जगह-जगह हो रहे प्रदर्शन को पुलिस ने सख्ती

से रोका। समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे कई सपा पदाधिकारियों को सड़क से बल पूर्वक हटाया गया।

-अयोध्या में सपा नेता व पूर्व राज्यमंत्री पवन पांडे के साथ कार्यकर्ताओं ने पुलिस के साथ की धक्का-मुक्की की। आईटीबीपी पीएसी व सिविल पुलिस के जवानों ने सपा के नेताओं व कार्यकर्ताओं को रीडगंज चौराहे पर ही रोका है।

- कन्नौज में किसान यात्रा में शामिल होने की ज़िद पर अड़े सपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। सपा कार्यालय के बाहर नारेबाजी करने वाले कार्यकर्ताओं को दौड़ाकर पकड़ा। कार्यालय के अंदर मौजूद कार्यकर्ताओं को बाहर निकालने के दौरान हुई झड़प। कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन पहुंचा रही है पुलिस।

-किसान आंदोलन के समर्थन में रैली और पदयात्रा निकालने की कोशिश कर रहे सपा के कई मंत्रियों समेत सैकड़ों नेताओं-कार्यकर्ताओं को सोमवार की सुबह पूर्वांचल के अलग अलग जिलों में नजरबंद कर दिया गया है। वाराणसी में पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह पटेल, मिर्जापुर में पूर्व मंत्री कैलाश चौरसिया, आजमगढ़ में पूर्व मंत्री दुर्गा यादव आदि को नजरबंद या हिरासत में रखा गया है। कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन और थानों पर लाकर बैठाया गया है।

-सपा सरकार में पूर्व मंत्री रहे हेमराज वर्मा को पुलिस ने उनके गांव से गिरफ्तार कर लिया। पूर्व मंत्री को न्यूरिया थाने ले जाया गया। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष की नुमाइंगी में सपा कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय पर ही धरने पर बैठे। सभी को पुलिस की नजरबंदी में रखा गया है।

- पीलीभीत में सपा जिलाध्यक्ष को पार्टी कार्यालय पर और पूर्व कैबिनेट मंत्री हाजी रियाज अहमद को उनके घर पर ही नजर बंद कर दिया गया। चप्पे चप्पे पर फोर्स तैनात। एएसपी डा.पवित्र मोहन त्रिपाठी की अगुवाई में पुलिस बल सड़कों पर है। डिग्री कॉलेज चौराहे पर सीओ सिटी ने खुद मोर्चा संभाला हुआ है। तो वहीं बाकी सभी चौराहों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

- बदायूं के दातागंज में सपा जिला अध्यक्ष प्रेमपाल सिंह यादव एवं उनके बेटे पूर्व ब्लाक प्रमुख अवनीश यादव पुलिस ने आवास के अंदर घेरा। पुलिस ने पिता-पुत्र दोनों नेताओं के मोबाइल भी जब्त कर लिए हैं।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

सम्पादकीय

बढ़ता आंदोलन

देश जब एक आंदोलन की वजह से तनाव की ओर बढ़ता दिख रहा है, तब न केवल चिंता, बल्कि विचार-विमर्श की जरूरत भी बहुत बढ़ गई है। विरोध के लिए विरोध के बजाय सकारात्मक विमर्श की जरूरत है, ताकि समाधान की राह जल्दी निकल सके। पांचवें दौर की विफल वार्ता से यह तय हो गया था कि सरकार अभी किसानों को समझा नहीं पा रही है और किसान भी अब पहले की तुलना में अपनी मांगों को लेकर ज्यादा दृढ़ दिखने लगे हैं। सरकार ने बार-बार कहा है, एमएसपी की व्यवस्था यथावत जारी रहेगी, लेकिन किसान इससे आश्वस्त नहीं हैं। वे नए कानूनों में एमएसपी का प्रावधान चाहते हैं, ताकि निजी कंपनियां भी एमएसपी से नीचे कोई खरीदी न करें। कृषि के हर कानून में एमएसपी को अनिवार्य करने से जो व्यावहारिक समस्या आएगी, सरकार उसे किसानों को समझा नहीं पा रही है। बहुत सारी फसलें हैं, जिनके लिए एमएसपी नहीं है, लेकिन तब भी किसान उन फसलों को उगाते ही हैं, क्योंकि उन्हें लाभ होता है। देश में कुछ ऐसे क्षेत्र या राज्य भी हैं, जहां एमएसपी की व्यवस्था काम नहीं करती, लेकिन तब भी वहां किसान खेती करते ही हैं। समग्रता में किसानों के हित में सोचने की जरूरत है और यह भी सोच लेना चाहिए कि क्या हमने अपनी निजी कंपनियों का लाभ नहीं लिया है? लेकिन जब कोई आंदोलन 'हां या ना' के चरण में चला गया हो, तब सरकार पर ही ज्यादा जिम्मेदारी है कि आंदोलन को कैसे शांत किया जाए। क्या तीन कृषि कानूनों को कुछ समय के लिए टाला या कुछ समय के लिए वापस लिया जा सकता है? क्या इन तीनों कानूनों को लागू करने के लिए जमीनी आधार तैयार किया जा सकता है? सरकार को किसानों को सहमत करने के लिए कितना समय चाहिए? क्या इन कानूनों को तत्काल लागू करना जरूरी हो गया है? इन सवालों के जवाब हमें और सरकार को खोजने चाहिए। बहरहाल, पांचवें दौर की वार्ता नाकाम होने के बाद अब सबकी निगाह 8 दिसंबर को आयोजित भारत बंद और फिर 9 दिसंबर को प्रस्तावित किसान-सरकार वार्ता पर केंद्रित हो गई है। प्रमुख विपक्षी कांग्रेस के अलावा एक-एक कर सभी सियासी दल किसानों की मांग के समर्थन में खड़े होने लगे हैं और 8 दिसंबर को प्रस्तावित भारत बंद को समर्थन देने वालों की तादाद बढ़ती चली जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की सीमाओं और यहां रहने वालों के बारे में भी जरूर सोच लेना चाहिए। यह अचरच की बात नहीं, यह किसानों का देश है और कोई भी किसानों के खिलाफ दिखना नहीं चाहेगा। जो लोग तीन कृषि कानूनों के विरोध में नहीं थे, वे भी किसानों के साथ खड़े होने लगे हैं, तो भारत की हकीकत समझना कतई कठिन नहीं है। क्या किसान-सरकार वार्ता भारत बंद से पहले संभव नहीं थी? भारत बंद से क्या अर्थव्यवस्था को लाभ होगा? ऐसे आंदोलन के जल्द से जल्द समापन का यत्न आज समय और देश की मांग है। काश, हमारे देश में कृषि पर पर्याप्त विचार-विमर्श के बाद फैसले लिए जाते, तो यह नौबत नहीं आती, लेकिन हमें समझना चाहिए कि विचार-विमर्श की जरूरत कभी खत्म नहीं होती। इसी से राह भी निकलेगी। कोई इस आंदोलन के पक्ष में हो या विपक्ष में, पर दुनिया देख रही है कि सत्य, अहिंसा आधारित लोकतांत्रिक भारत अपने फैसले कैसे लेता है।

बचाना होगा छोटी नदियों को

अरविंद कुमार

नदियों का संकट में होना आमजन के लिए भी संकट का कारण बन सकता है। सन 1951 में हमारे यहां प्रतिव्यक्ति चौदह हजार एक सौ अस्सी लीटर पानी सहजता से उपलब्ध था। लेकिन अनुमान है कि सन 2050 तक पानी की उपलब्धता तीन हजार एक सौ बीस लीटर प्रतिव्यक्ति ही रह जाएगी। यह स्थिति डराती है। आमतौर पर गर्मी ऋतु में देश के कई हिस्सों से इस आशय की खबरें आती हैं कि छोटी नदियां सूख गई या कुछ बड़ी नदियों में पानी की मात्रा बहुत कम हो गई। लेकिन दक्षिण पूर्वी राजस्थान के कोटा जिले के सांगोद क्षेत्र में बहने वाली उजाड़ नदी इस वर्ष नवंबर महीने में ही सूख गई। उजाड़ चंबल की सहायक नदी है और अंचल के बहुत सारे गांवों के लिए जीवनरेखा है।

आमतौर पर उजाड़ नदी में इतना पानी रहता था कि उससे जुड़े गांवों में आवागमन सुनिश्चित करने के लिए पचपन मीटर लंबा पुल बनाया गया है। लेकिन अपने जल से इलाके को विकास का वरदान सौंपने वाली यह नदी समाज की अपने प्रति असंवेदनशीलता के कारण अब अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए छटपटाती-सी प्रतीत होती है। दरअसल, अपने प्रति संवेदनहीनता का दंश झेल रही उजाड़ नदी देश की अकेली नदी नहीं है। देश में ऐसी सैकड़ों सहायक नदियां होंगी जो इस तरह असमय सूख कर दम तोड़ रही हैं और मनुष्य के लिए जल संकट के खतरे की घंटी बजा रही हैं।

लेकिन लगता है हम इस खतरे को अभी भी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। गंगा को तो हमारी मान्यताओं में बहुत पवित्र माना जाता है। सनातन मान्यताओं के अनुसार व्यक्ति को अंतिम समय यदि गंगाजल की दो बूंदों का भी आचमन मिल जाए तो सांसारिक बंधनों से उसकी मुक्ति का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। लेकिन देवी माने जाने वाली गंगा नदी स्वयं अब प्रदूषण के दुर्दांत प्रतीत होते असुर से संघर्ष करने पर विवश है।

पिछले दिनों यमुना में प्रदूषण के कारण उठे झागों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब चलीं। सदा सलिला कही जाने वाली चंबल नदी के पानी को भी एक परीक्षण में कई स्थानों पर पीने योग्य नहीं पाया गया है। कावेरी नदी चालीस प्रतिशत से अधिक अपना जलप्रवाह खो चुकी है, तो कृष्णा और गोदावरी नदी में पानी की मात्रा दो दशक पहले की तुलना में बहुत कम हो गई है। जब देश की महनीय नदियों का यह हाल है तो छोटी नदियों और बरसाती नदियों की स्थिति का अनुमान तो आसानी से लगाया जा सकता है।

यह स्थिति इसलिए चिंता पैदा करती है क्योंकि हमारी पानी की जरूरत का पैंसठ प्रतिशत से अधिक हिस्सा नदियां ही पूरा करती हैं। पानी केवल पीने या रोमजर्रा की जरूरतों को पूरा करने या सिंचाई के काम ही नहीं आता, अपितु औद्योगिक उत्पादन में कच्चे माल के परिशोधन सहित अनेक क्रियाओं में पानी ही जरूरी होता है। ऐसे में जिन देशों को प्रकृति ने नदियों का वरदान दिया है, उन्हें नदियों के अस्तित्व के प्रति संवेदनशील होने की जरूरत थी। लेकिन दुर्भाग्य से विकास की आपाधापी ने

नदियों के प्रति हमारी संवेदनशीलता को छीन लिया। हमने नदियों को बचाने और संरक्षित रखने के बजाय के उनके प्रवाह क्षेत्र में ही बस्तियां बनानी शुरू दीं। यह तो समझ आता है कि नदियों के प्रवाह पर बांध बनाना जीवन की जरूरत था, लेकिन नदियों के किनारों पर अतिक्रमण कर लेना या उनमें मनमाने तरीके से गंदगी प्रवाहित करना कैसे उचित कहा जा सकता है? स्थिति यह हो गई कि हम नदियों को देवी मान कर पूजते तो रहे, लेकिन उनकी पवित्रता से खिलवाड़ भी करते रहे। लेकिन ऐसा नहीं है कि नदियों के साथ ऐसा दुर्व्यवहार भारत में ही हुआ। अपने सीमित संसाधनों से आकाश की अथाह ऊंचाई नापने की आपाधापी में कई विकासशील देशों ने नदियों की महत्ता को नजरअंदाज किया है। ब्राजील के रियो-दे जेनेरियो की सारापुई या सुपुई नदी कचरे से इस कदर भर गई है कि उस पर पैदल चला जा सकता है।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के सभी सोलह प्रखंडों से कोई न कोई नदी गुजरती है। लेकिन इन नदियों में से अधिकांश अपनी दुर्दशा पर आंखें बहा रहीं हैं। नदियों की अत्यधिक संख्या के कारण मिथिला को तो नदियों का मायका तक कह दिया जाता है। लेकिन इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है कि नदियां अपने मायके में ही दुख के साथ बह रही हैं। बिहार की बूढ़ी गंडक, लखनदेई, टिमदा, झझा, सियारी, कदाने, बाया, डंडा, मनुषमारा जैसी नदियां या तो दम तोड़ चुकी हैं या दम तोड़ने के कगार पर हैं। झारखंड में पिछली गर्मियों में एक सौ तैंतीस नदियों के सूखने की खबरें आई थीं। पलामू जिले की ही कोयल, सदावह, अमानत नदियां अस्तित्व के लिए जूझती दिखीं।

गुमला जिले में नदी के प्रवाह क्षेत्र में बच्चे क्रिकेट खेलते हुए दिखे। किसी नदी के सिकुड़ने या सूखने का दर्द क्या होता है, यह उन इलाकों में जाकर जानना चाहिए जिन इलाकों ने इस स्थिति का सामना किया है। राजस्थान के रेगिस्तानी इलाके से बेहतर किसी नदी के महत्त्व को कहां समझा जा सकता है? कहते हैं कि पौराणिक नदी सरस्वती का प्रवाह इसी क्षेत्र में था। शोधकर्ताओं के अनुसार करीब डेढ़ सौ साल पहले भी राजस्थान के इस इलाके के प्रमुख शहर बीकानेर के पास नाल गांव में एक नदी बहती थी, लेकिन धीरे-धीरे वह लुप्त हो गई। जर्मनी के द मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट फॉर द साइंस आफ ह्यूमन हिस्ट्री, तमिलनाडु के अन्ना विश्वविद्यालय और कोलकाता के भारतीय विज्ञान शिक्षा और शोध संस्थान (आइआइएसईआर) जैसे संस्थानों से जुड़े विद्वानों ने यह शोध किया था। इससे कुछ ही दूर स्थित सीकर जिले की साइबार की पहाड़ियों से निकलने वाली साहबी नदी की तो सौ से अधिक उपनदियां थीं। इस नदी के प्रवाह का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस पर मासनी बांध बनाया गया। लेकिन यह नदी भी अब अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है। कुछ विद्वानों ने पौराणिक हृष्दावती नदी के रूप में इसे पहचाना है। सोता, कृष्णावती, दोहन आदि इस नदी की उपनदियां थीं।

एक नदी के रूठने के डर से दन दिनों दक्षिण अमेरिकी देश पैराग्वे भी गुजर रहा है। यहां की राजधानी असुनशियोन के पास से गुजरने वाली नदी पराग्वे ही इस देश को समुद्र से जोड़ने वाला एकमात्र विकल्प थी। इस देश के लिए पराग्वे नदी के महत्त्व का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसी नदी के नाम पर देश का नाम भी रखा गया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी- नासा द्वारा पिछले दिनों जारी एक तस्वीर में यह दिखाया गया है कि कैसे राजधानी असुनशियोन के आसपास नदी का इलाका सूख गया है।

पराग्वे के लोक निर्माण विभाग के निदेशक जॉर्ज बेगारां ने पिछले दिनों कहा भी कि ह्यनदी सूखने का असर सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है, क्योंकि पराग्वे का बावन फीसद आयात और लगभग पचहत्तर प्रतिशत निर्यात नदी के रास्ते से ही होता है।ह्न नदी के सूखने ने दूरस्थ इलाकों की बस्तियों में पेयजल आपूर्ति को भी प्रभावित किया है।

नदियां मानव सभ्यता की उन्नायक रही हैं। प्रायः सभी प्राचीन सभ्यताओं का विकास किसी नदी घाटी में हुआ है। लेकिन अब नदियां संकट में हैं। नदियों का संकट में होना आमजन के लिए भी संकट का कारण बन सकता है। सन 1951 में हमारे यहां प्रतिव्यक्ति चौदह हजार एक सौ अस्सी लीटर पानी सहजता से उपलब्ध था। लेकिन अनुमान है कि सन 2050 तक पानी की उपलब्धता तीन हजार एक सौ बीस लीटर प्रतिव्यक्ति ही रह जाएगी।

यह स्थिति डराती है। देश में जहां छोटी नदियों के प्रवाह क्षेत्र अतिक्रमण के शिकार हो गए हैं, वहीं दो सौ पैंसठ मझोली नदियां संकट में हैं। बड़ी नदियां भी प्रदूषण का शिकार हो रही हैं। ऐसे में समय की सबसे बड़ी जरूरत है कि हम नदियों के प्रति संवेदनशील हों, अन्यथा समूची सभ्यता के लिए आने वाले दिन सचमुच बहुत कठिन होंगे।

विशेष

भारतीय भाषाओं के लिए विवि की पहल स्वागत योग्य

गिरीश्वर मिश्र

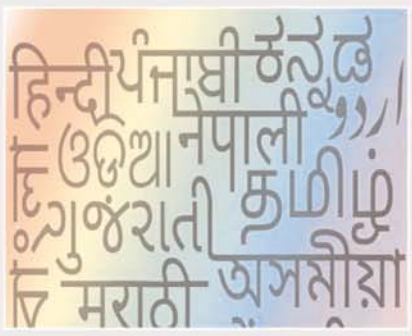

भारतवर्ष भाषाओं की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध देश है। यहां की भाषाई विविधता अनोखी है और उनमें अपार संभावनाएं हैं। यह उनकी आंतरिक जीवनशक्ति और लोक-जीवन में व्यवहार में प्रयोग ही था कि विदेशी आक्रांताओं द्वारा विविध प्रकार से सतत हानि के बावजूद बची रहीं। पिछली कुछ सदियों में इन भाषाओं को सतत संघर्ष करना पड़ा था। मुगल शासनकाल में फारसी को महत्व मिला। फिर अंग्रेजों के उपनिवेश के दौर में अंग्रेजी को निर्भ्रान्त प्रश्रय दिया गया और उसे नौकरी-चाकरी से जोड़ दिया गया। परन्तु यह भी सत्य है कि स्वतंत्रता संग्राम में लोक संवाद के साथ देश को एकसाथ ले चलने में हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं ने विशेष भूमिका निभाई।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद अंग्रेजों के दौर की नीतियों के अनुसरण करते रहने के फलस्वरूप अंग्रेजी का प्रभुत्व जीवन के सभी प्रमुख क्षेत्रों (यथा-प्रशासन, स्वास्थ्य, न्याय, व्यापार और शिक्षा) में पूर्ववत कायम रहा और भारतीय भाषाएं हाशिए पर ढकेली जाती रहीं। औपनिवेशिक मानसिकता की जकड़न के कारण न केवल भारत की समृद्ध भाषिक विरासत और प्रयोग को क्षति पहुंची बल्कि समाज के मानसिक विकास और सृजनात्मकता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा। स्वतंत्र भारत में लोकतंत्र की व्यवस्था में जहां जनता ही केंद्र में होनी चाहिए, अधिकांश जनता के लिए एक विदेशी और दुर्बोध भाषा अंग्रेजी को जबरन लाद दिया गया। उसकी महिमा अक्षुण्ण बनी रही और उसी के सहारे काम करते रहने का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भारत में भाषा को लेकर एक तरह का यथास्थितिवाद बना रहा।

अंग्रेजी को, जिसे जानने वाले आज भी मात्र लगभग बारह प्रतिशत भारतीय हैं, पहले की ही तरह शिक्षा और प्रशासन में केंद्रीय बनाए रखकर सम्भ्रांत अंग्रेजीदां लोगों ने अपना वर्चस्व बनाए रखा। शेष बहुसंख्यक गैर अंग्रेजी भाषा-भाषी भारतीयों की प्रतिभा और उद्यमिता आदि को नकारते हुए उन्हें अवसर न देते हुए वंचित रखा जाता रहा और पीढ़ी दर पीढ़ी उनमें अवांछित दैन्यबोध विकसित किया गया।

अंग्रेजी की गुलामी और उसके प्रति अतिरिक्त आकर्षण के पीछे देश हित की जगह सीमित स्वार्थ सिद्ध करना और अपना वर्चस्व कायम रखना ही है। इस प्रकार का भाषिक परिवेश स्वराज, समता, समानता तथा बंधुत्व आदि संविधान-स्वीकृत लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करता रहा और युवा पीढ़ी को देश की सभ्यता, इतिहास और संस्कृति से दूर करता रहा। आम जनता की शैक्षिक प्रगति और लोकतांत्रिक भागीदारी भी बुरी तरह बाधित हुई। दुर्भाग्य से सरकार और समाज की उदासीनता के चलते अंग्रेजी को सर्वथा हितकारी रामबाण सरीखा मान लिया गया। फलतः बाजार, व्यवसाय और शिक्षा जगत में अंग्रेजी की मांग बढ़ती ही रही जिसका प्रमाण है कि महंगे अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों की संख्या और उनमें प्रवेश की मारामारी आज भी बढ़ रही है। परंतु ज्ञान की वृद्धि, जीवन मूल्यों की प्रतिष्ठा और समतामूलक समाज की स्थापना के लक्ष्यों की दृष्टि से यह स्थिति किसी भी तरह हितकर नहीं कही जा सकती। स्वतंत्र भारत में जनता की जनतांत्रिक भागीदारी और उसके मूल अधिकारों के संरक्षण की दृष्टि से भाषाई व्यवस्था ने प्रकट रूप से अंग्रेजी के पक्ष में और भारतीय भाषाओं के विरुद्ध कार्य किया।

संविधान में हिंदी को राजभाषा और सम्पर्क भाषा का दर्जा दिया गया और अंग्रेजी के उपयोग को यथेच्छ समय तक चलाए जाने की अंतहीन छूट दे दी गई। बाइस भाषाओं को आठवीं अनुसूची की भाषा सूची में रखा गया है। अब कन्नड़, मलयालम, उड़िया, संस्कृत, तमिल तथा तेलुगु को प्राचीन भाषा (क्लैसिकल लैंग्वेज) का दर्जा दिया गया है। राजभाषा विभाग स्थापित है और हर मंत्रालय के लिए इसकी सलाहकार समिति भी है। परन्तु वास्तविकता यह है कि भारतीय भाषाओं के लिए जो सरकारी उपक्रम हुए वे सतही होने के कारण अधिक प्रभावी नहीं साबित हुए। इस जटिलता के कारण अभीतक देश की कोई भाषा नीति नहीं बन सकी है और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय भाषाओं को उनका यथोचित स्थान नहीं मिल सका है।

भाषा के प्रश्न को टालते रहने से समस्या का समाधान दिन प्रतिदिन दूर होता गया। ऐसी स्थिति में आज अपने अस्तित्व, महत्व और भविष्य की दृष्टि से भारतीय भाषाएं गम्भीर संकट की दहलीज पर खड़ी दिख रही हैं। चूंकि भाषा हमारे चिंतन की क्षमता के साथ भी गहनता से जुड़ी होती है इसलिए भारतीय भाषाओं (जो भारतीयों की मातृभाषाएं भी हैं!) की सतत उपेक्षा ने सामाजिक जीवन पर नकारात्मक असर डाला। एक ओर उसने अंग्रेजी थोपने के कारण ज्ञान-निर्माण, सृजनात्मकता और मौलिकता आदि की दृष्टि से भारतीयों को अन्य देशों की तुलना में पीछे ढकेलते रहने का कार्य किया तो दूसरी ओर भारतीय देशज ज्ञान परम्परा की विरासत, यहां के परिवेश के प्रति संवेदनशीलता और समग्रतावादी जीवन-दृष्टि से न केवल अपरिचित बनाया बल्कि उसके प्रति संदिह, अरुचि और किंचित घृणा का भाव भी पैदा किया। उल्लेखनीय है कि अमेरिका, चीन, जापान, रूस, जर्मनी, फ्रांस, इजराइल आदि किसी भी विकसित देश के समाज में अपनी संस्कृति की सत्ता को लेकर इस तरह की कोई दुविधा नहीं मिलेगी जितनी अंग्रेजीभावित शिक्षित सम्भ्रांत भारतीय जनों में दृष्टिगोचर हो रही है। भाषाओं को लेकर विगत वर्षों में जो अनुसंधान हुए हैं उनसे प्रकट हो रहा है कि भाषाओं का बड़े पैमाने पर तेजी से लोप हो रहा है। यूनेस्को का आकलन है कि विश्व भर में बोली जाने वाली 6000 भाषाओं में से 2500 भाषाएं संकटग्रस्त हैं। अनुमान है कि 21वीं सदी के अंत तक मात्र 200 भाषाएं जीवित बचेंगी। भारत की आदिवासी भाषाओं में से 196 गम्भीर रूप से संकटग्रस्त हैं। भारत में कुल 1957 भाषाएं हैं। इनमें से 1416 लिपिहीन हैं। ये सभी संकटग्रस्त हैं। संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाएं इस प्रकार हैं-असमी, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकड़ी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु और उर्दू 2011 की जनगणना के अनुसार देश में भाषा के मानक पर खरी उतरने वाली 1369 बोलियां/भाषाएं थीं। इसमें से 121 भाषाएं ऐसी हैं जिनके बोलने वालों की संख्या 10 हजार से अधिक है। इनमें आठवीं अनुसूची की भाषाएं भी सम्मिलित हैं। भाषा से जुड़ी केंद्रीय सरकार की संस्थाएं इस प्रकार हैं- साहित्य अकादमी, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली केन्द्र, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, राष्ट्रीय सिंधी भाषा संवर्धन संस्थान, राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (आरएसकेएस), महर्षि संदीपणि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान (एमएसआरवीवीपी), केन्द्रीय अंग्रेजी भाषा और विदेशी भाषा संस्थान।

अजीब किस्से है धूप के

बादलों को चीरकर आज
फिर चमकीली धूप निकली है।
गुलमोहर की टहनियों को
छेदकर सुनहरी धूप खिली है।
धूप जाड़े में अच्छी लगती है।
धूप तन को तरोताज़ा करती है।
जैसे जैसे सूर्य निकलता है।
धूप का तेज़ भी बढ़ता है।
ज़ब रहता दिवाकर सर के ऊपर
तब धूप अपने चरम पे होती है।
जैसे जैसे दिनकर ढलता है।
वैसे वैसे धूप भी कम हो जाती है।
पहले माँ डांटती रहती थी
बेटे धूप में मत जाया कर

अब जाड़े में माँ धूप में
तन सेकने को कहा करती है !
अजीब किस्से है धूप के
छाँव से अच्छे किस्से है धूप के
सर्दियों में धूप से प्रेम करो।
अन्य ऋतुओं में धूप से जलो।
धूप प्रकृति का उपहार है।
कभी प्यार तो कभी इनकार है।
धूप में जले तन को छाँव की
दरकार है
धूप का रंग रूप ना कोई आकार है।
ठंड से कांपती धरा को धूप
अपनी किरणों से
बचाती है।
नदी, नालों, पर्वत
चोटियों,
झरनों सबको धूप
चमकाती है
धूप ही बारिश को
लाती है।
धूप गगन मे इंद्रधनुष
बनाती है।
धूप ही पकाती है खेतों का अन्न।
मिट्टी के टीलों पे पड़े धूप तो
सोने जैसा चमकता है कण कण।
बनता मौसम सुहाना धूप से।
भीगे हुवे कपड़े सूखते है धूप से।
जीवन सम्भव नहीं बिना धूप के!!

भगवान सिंह चारण
अम्बेसुत, डीडवाना राजस्थान

प्रभु ध्यान

कर्म भाग्य इंसान का सब प्रभु के हाथ
कर समर्पित आपनो हो प्रभु के साथ
सुंदर जीवन संसार में सुंदर सारे रीत
मन समर्पित करो सदा मिले फिर मनमीत
सुंदर जग श्याम का सुंदर है उपहार
कर्म आपन करो सदा यही पूर्ण है सार
मानव जीवन है मिला अनुपम ये उपहार
ना भूलो तूम ये सदा, करो सदा उपकार
नित दिन तुम ध्यान करो मन लागे प्रभु संग
जागे मन विश्वास मन भर जाए उमंग
प्रभु नाम से अमृत घुले मन बसे हैं श्याम
नाम जिसने है जपा पाए पूर्ण ब्रह्म ज्ञान।

निक्की शर्मा रश्मि
मुम्बई

कैमरे की नजर से पुलिस सुधार

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने देश भर के पुलिस स्टेशनों में सीसीटीवी लगाने का जो निर्देश दिया, वह पुलिस सुधार की दिशा में मील का पत्थर माना जाएगा। ये कैमरे पुलिस स्टेशन के तमाम आम और खास जगहों पर लगाए जाएंगे। इतना ही नहीं, अदालत ने यह भी कहा है कि इन कैमरों की रिकॉर्डिंग 18 महीनों तक सुरक्षित रखी जाए। जाहिर है, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत हर भारतीय नागरिक को मिले जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा के लिए यह एक बेहद कारगर कदम साबित होगा। साढ़े 37 बरस तक पुलिस की वरदी पहनने का मेरा अनुभव यही कहता है कि आज भी पुलिस महकमे में सुधार की काफी गुंजाइश है। खासकर आम लोगों के प्रति पुलिसकर्मियों के व्यवहार के मामले में।

रामभरोसे का कोविड वैक्सीनेशन

विवेक रंजन श्रीवास्तव

मियां अल्लारख्खा , रामभरोसे जी का उर्दू संस्करण हैं। दोनो ही गरीबी की रेखा से नीचे वाले राशन कार्ड , बी पी एल कार्ड, आयुष्मान कार्ड जैसे बेशकीमती दस्तावेजों के महत्वपूर्ण धारक हैं। वे सब्सिडी वाली बिजली, उज्ज्वला गैस , अंत्योदय योजना , बैंको के रोजगार लोन के सुपात्र हैं। उनके लोन की गारंटी सरकारें लेती हैं। वे मुफ्त शौचालय निर्माण , बिना ब्याज के गृह ऋण ,डायरेक्ट फंड ट्रांस्फर वगैरह वगैरह जैसी एक नही अनेकों जन हितैषी योजनाओ के लाभार्थी हैं।

तमाम सरकारी कोशिशों के बाद भी वे गरीबी रेखा पार नही कर पाते। दीन हीन रामभरोसे में राम बसते हैं। जनगणना में अल्लारख्खाओं और रामभरोसों के आंकड़े सब के लिये बड़े मायने के होते हैं। उनके आंकड़े सरकारो की सारी योजनाओ का मूल आधार बनते हैं। अल्लारख्खा और रामभरोसे की बस्तियां नेता जी की वोट की खदाने हैं। वे राजनैतिक दलो के घोषणा पत्रो के चुनिंदा विषय हैं।

लालकिले की प्राचीर से होने वाले भाषण हों या रेडियो पर दिल की बातें उनमें इनमें से किसी की चर्चा हो तो भाषण हिट हो जाते हैं। इनके मन को टटोलने में जो सफल हो जाता है वह जननेता बन जाता है। इनकी गिनती में थोड़ी बहुत हेरा फेरी कर्मचारियो की ऊपरी कमाई का स्त्रोत है। धर्म के कथित ठेकेदारो के लिये रामभरोसों और अल्लारख्खाओ की आस्थायें बड़ा महत्व रखती हैं, ये और बात है कि इस सब से बेफिक्र उनकी पहली आस्था भुख के प्रति है। दोनो ही दिन भर की थकान मिटाने के लिये शाम को एक ही ठेके पर मिलते हैं , और जब कभी जेबें थोड़ी बहुत भरी होती हैं तो वे एक ही बाजार में देह की खुशी तलाशने निकल जाते हैं। फटे, मैलेकुचैले कपड़ो में उनके बच्चो की मुस्कराती हुई तस्वीरें अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने की क्षमतायें रखती हैं। जब कभी अल्लारख्खा और रामभरोसे की बस्ती से कोई बच्चा अपने बस्ते और बुद्धि के कमाल से किसी प्रतियोगिता में कोई सफलता पा लेता है , तो खबरो में धमाल मच जाता है। रामभरोसे या अल्लारख्खा की जान बड़ी कीमती है। उन्होने देखा है कि जीते जी न सही किसी दुर्घटना में उनकी मौत तुरंत लाख रुपयो की सरकारी सहायता और परिवार में किसी के लिये सरकारी नौकरी का वादा लेकर आती है। किसी भी राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम की सफलता रामभरोसों और अल्लारख्खाओ के वैक्सीनेशन हुये बिना संभव नही है। यह तथ्य डाक्टर्स से लेकर राजनेता तक खूब समझते हैं। वे और बात है कि स्वयं की प्रतिरोधक क्षमताओ पर इन बस्तियों को इतना भरोसा है कि उन्हें पकड़ पकड़ कर टीके लगाने होते हैं। उनकी इस आत्मनिर्भरता की भावना से मुकाबले के लिये ही स्वास्थ्य कर्मियो का बड़ा अमला घर घर जाकर उनके मना करने पर भी उन्हें मना मना कर उनका वैक्सिनेशन करता है। दुनियां को फिर से पटरी पर लाने के लिये कोरोना की वैक्सीन जरूरी है। नेता जी ने चुनावी वादों में सबको मुफ्त कोविड वैक्सीनेशन का वादा किया हुआ है। तरह तरह की वैक्सीन बन रही हैं।किसी के दो डोज लगने हैं तो किसी के तीन। कोई माइनस ७० डिग्री में रखी जानी है तो कोई फ्रिज टेम्प्रेचर पर। माइनस ७० डिग्री स्टोरेज तापमान वाले उपकरण बनाने वाली कम्पनियां दुनियां भर से अपने उपकरणो के लिये आर्डर लेने की जुगत भिड़ाने में लगी हैं। उनकी मार्केटिंग टीमें ईमेल करने और देश देश के संबंधित मंत्रालयो से हर तरह के संपर्क में सक्रिय हैं। नकली चीनी वैक्सीन निमार्ता इंतजार में हैं कि कब कोई वैक्सीन बाजार में आये और वे उंचे दामो पर अपना माल खपा दें। वैक्सीन , कोरोना की आपदा में अवसर बनकर आ रही है। किसी के लिये कमाई और रोजगार के तो किसी के लिये पुरस्कार के मौके कोविड वैक्सिनेशन में अंतर्निहित हैं। इस सबसे बेखबर रामभरोसे और अल्लारख्खा अपनी खुद की इम्यूनिटी के बल पर गमछा लपेटे कोविड आत्मनिर्भर दिखते हैं।संभ्रांत बुद्धिजीवी दानवीर लोग व संस्थायें इन्हें ही मास्क बांटतें हैं और अपने संवेदनशील होने की तस्वीरें खिंचवा पाते हैं। वे स्वयं को सेल्फ वैक्सीनेटेड मानते हैं। कोरोना के प्रति रामभरोसे और अल्लारख्खा के दृष्टिकोण बड़े परिपक्व हैं , वे इसे अमीरों की बीमारी बताने में नही हिचकिचाते। वे बिना मास्क मजे में बाजारो में घूमते मिल सकते हैं। उन्हें चुनावो की रैलियों , धार्मिक जुलूसों , किसान आंदोलनो की भीड़ से डर नही लगता। कभी कभार नाक,मुंह पर गमछे का कोना या साड़ी का पल्ला लपेटकर वे मास्क का शौक पूरा कर लेते हैं। जब कभी सरकारी चालान का डर हो तो यही गमछा उनका अस्त्र बन जाता है। जिसको वैक्सीनेशन के दस्तावेजों में उनका नाम चढ़ाना हो अभी से चढ़ा ले।

प्रभास की फिल्म का हिस्सा बनने के लिए अमिताभ को मिलेंगे 21 करोड़

मेकर्स ने या बिग बी की तरफ से नहीं की गई है कोई आधिकारिक पुष्टि

सुपरहिट साउथ फिल्म 'महानती' के डायरेक्टर नाग अश्विन फिल्म में प्रभास के साथ बॉलीवुड की दीपिका पादुकोण को कास्ट कर चुके हैं। प्रभास और दीपिका के अलावा इस फिल्म में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के होने की खबरें भी सामने आई। अब खबर है कि इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए 77 साल के अमिताभ बच्चन ने 21 करोड़ जैसी भारी-भरकम रकम मांग ली है।

प्रभास-दीपिका और अमिताभ बच्चन की ये मल्टी लेंग्वेज फिल्म 2022 में देशभर में रिलीज होगी। हालांकि इस बात पर मेकर्स ने या बिग बी की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले दीपिका पादुकोण के भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए मोटी रकम मांगने की खबरें सामने आई थीं। हालांकि दीपिका ने कितनी रकम मांगी थी इस बात का खुलासा नहीं हुआ था। डायरेक्टर बोले, यह एक बड़ा सरप्राइज होगा, इस फिल्म का निर्देशन करने वाले नाग अश्विन ने कहा कि, मैं दीपिका पादुकोण को यह किरदार निभाता देखने के लिए उत्साहित हूं। इससे पहले किसी मेनस्ट्रीम लीड ने ऐसा नहीं किया है, यह एक बड़ा सरप्राइज होगा। दीपिका पादुकोण और प्रभास की जोड़ी फिल्म की जान होगी और इस फिल्म की कहानी आने वाले कुछ सालों तक दर्शकों के दिलों में ताजा रहेगी। यह फिल्म साइंस-फिक्शन पर बेस्ड होगी। संभावना जताई जा रही है कि यह फिल्म इस प्रोडक्शन हाउस में बनी रोमांचक फिल्मों में से एक होगी। फेमस प्रोड्यूसर सी अश्विनी दत्त द्वारा स्थापित वैजयंती मूवीज तेलुगु भाषी क्षेत्रों में एक फेमस नाम हैं। यह प्रोडक्शन हाउस हमेशा से एक विशाल कैनवास पर फिल्में बनाने के लिए जाना जाता रहा है। प्रभास और दीपिका को एक साथ स्क्रीन शेयर करते देखना दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगा, क्योंकि प्रभास कई इंटरव्यूज में खुलासा कर चुके हैं कि वो दीपिका पादुकोण के साथ काम करना चाहते हैं।

खुद को 'अजीब' कहते नजर आई इलियाना

बॉलीवुड अभिनेत्री इलियाना डीक्रूज ने इंस्टाग्राम पर अपना एक नया वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह खुद को 'अजीब' कहते नजर आ रही हैं। इस वीडियो में अभिनेत्री पैंटसूट पहने हुए अपने आस्तीन के साथ खेलती हुई दिखाई दे रही हैं। इलियाना डीक्रूज ने वीडियो को कैप्शन देते हुए लिखा कि मैं सच में कुछ प्रोडक्टिव करना चाहती थी, इसलिए मैंने आपना कमरा साफ किया। मैं 7 घंटे बाद ..ओह लुक, स्लीव्स। वर्कफ्रंट पर इलियाना ने हाल ही में 'अनफेयर एन लवली' की शूटिंग समाप्त की है। यह फिल्म हरियाणा की पृष्ठभूमि पर बन रही है। फिल्म एक सांवली लड़की के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जो त्वचा की गहरी रंगत को लेकर समाज में व्याप्त कुरीतियों और पुरानी सोच से जूझ रही है।

पापड़ बनाती नजर आएंगी कियारा आडवाणी

बॉलिवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी लगातार अलग तरह के किरदार फिल्मों में निभा रही हैं। हाल में फिल्म 'लक्ष्मी' में दिखाई दीं कियारा ने एक और नई फिल्म साइन की है जिसका नाम 'करम कुरम' है। डायरेक्टर आशुतोष गोवारिकर फिल्म को प्रड्यूस करने जा रहे हैं और फिल्म में कियारा उस महिला का किरदार निभाने जा रही हैं, जिन्होंने मशहूर लिज्जत पापड़ शुरू किया था। बता दें कि लिज्जत पापड़ के विज्ञापन की टैग लाइन में भी 'करम कुरम' का इस्तेमाल होता रहा है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि किस तरह से श्री महिला गृह उद्योग के लिज्जत पापड़ ने हजारों लाखों गरीब महिलाओं की जिंदगी बदल दी। फिल्म का डायरेक्शन ग्लेन बैरेटो और अंकुश मोहला करने वाले है। इसके अलावा कियारा इस समय फिल्म 'जुग जुग जीयो' की शूटिंग कर रही हैं जिसमें उनके साथ वरुण धवन, अनिल कपूर और नीतू कपूर मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी। साथ ही परमवीर चक्र विजेता शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा की बायोपिक 'शेरशाह' में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ भी नजर आएंगी।

सपना की अदाओं पर दीवाने हुए लोग करोड़ो बार देखा गया एक वीडियो

मशहूर डांसर और देसी क्वीन सपना चौधरी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर 3 साल बाद एक बार फिर से धमाल मचा रहा है। सपना चौधरी के फैनफॉलोइंग बहुत है और यही वजह है कि सपना के पुराने वीडियो भी सोशल मीडिया पर बार-बार वायरल हो जाते हैं। हाल ही में एक बार फिर से सपना का एक डांस वीडियो वायरल हो रहा है, जो यूट्यूब पर साल 2017 में अपलोड किया गया था। इस वीडियो में सपना जिस गाने पर ठुमके लगा रही हैं उसके बोल हैं, ठेके आली गली, घर मेरे यार का है।

अगर आपने भी अबतक नहीं सुना है तो आप भी देखिए। उनका यह डांस वीडियो भी फैन्स को खूब पसंद आ रहा है। वीडियो में आप देख पाएंगे की उनके डांस परफॉर्मेंस को देखने फैन्स की भारी भीड़ जुटी हुई थी। इस वीडियो को यूट्यूब पर सोनूटेक डीजिटल ने अपलोड किया है। सपना के फैन्स की दीवानगी इस हद तक है कि वीडियो को अब तक 8 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इस वीडियो पर सपना के डांस के दीवाने खूब कमेंट कर रहे हैं। बिग बॉस के बाद सपना कई फिल्में, डांस नंबर्स और म्यूजिक एल्बम में भी नजर आईं। वहीं सोशल मीडिया पर तो आए दिन उनके डांस वीडियो छाए रहते हैं। इनमें कई सपना के पुराने वीडियो थे, जो आज भी लोगों की पहली पसंद बना हुआ है और सपना चौधरी के फैन उनके इन गानों को एंजॉय करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। आपको बता दें कि सपना चौधरी ने अपने करियर की शुरूआत हरियाणा के एक ऑर्किस्ट्रा टीम के साथ की थी। उन्होंने करियर की शुरूआत रागनी कलाकारों के साथ टीम का हिस्सा बनकर की थी। सपना चौधरी शुरूआत में हरियाणा और आस-पास के राज्यों में रागनी प्रोग्रामों में रागनी पार्टियों के साथ हिस्सा लेती थी। उसके बाद उन्होंने स्टेज डांस करना शुरू किया फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

काजोल ने महिलाओं को बताई कुछ प्रेरणादायक बातें

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने महिलाओं के लिए कुछ प्रेरणादायक बातें कही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं कुछ भी कर सकती हैं। हालांकि काजोल सोशल मीडिया पर अकसर ऐसी प्रेरणादायक बातें व कहावतें साझा करती रहती हैं। इसके साथ वह अपने दैनिक जिंदगी की झलकियां भी अपने प्रशंसकों को देती रहती हैं। काजोल ने अपने सत्यापित इंस्टाग्राम अकांउट पर हैशटैगविमेनकैनडूएनीथिंग का इस्तेमाल करते हुए लिखा कि अगर आप किसी चीज के योग्य हैं, तो वैसा कभी भी बन सकते हैं। अपने मन मुताबिक बनने में कभी देर नहीं हुई रहती है। वहीं, वर्कफ्रंट पर काजोल 'त्रिभंगा' के साथ डिजिटल स्पेस में कदम रखने के लिए तैयार हैं। इसकी कहानी मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक परिवार की तीन पीढ़ियों के आधार पर बुनी गई एक जटिल कहानी है। फिल्म को दिग्गज अभिनेत्री रेणुका शहाणे ने लिखा और निर्देशित किया है, जिसमें तन्वी आजमी और मिथिला पालकर जैसी अभिनेत्रियां भी हैं।

किसानों के भारत बंद का समर्थन करेगी आप, ममता की टीएमसी नहीं देगी साथ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का हल्ला बोल जारी है। कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर डटे देशभर (ज्यादातर पंजाब और हरियाणा) के किसानों के प्रदर्शन का आज 12वां दिन है। सरकार और किसानों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है, मगर अब तक यह गतिरोध खत्म नहीं हुआ है। अब नौबत यहां तक आ चुकी है कि किसानों ने 8 दिसंबर को भारत बंद का ऐलान किया है। किसानों के इस भारत बंद को विपक्षी दलों समेत कई क्षेत्रीय संगठनों ने अपना समर्थन दिया है। हालांकि, आंदोलन के 12वें दिन आज अरविंद केजरीवाल किसानों से मिलने सिंघु बॉर्डर पहुंचे हैं। दरअसल, किसानों की मांग है कि कृषि कानूनों को निरस्त किया जाए और इसी मांग को लेकर दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का आंदोलन पिछले 11 दिन से जारी है। सिंघु बॉर्डर, टिकरी बॉर्डर, गाजीपुर बॉर्डर समेत कई बॉर्डर पिछले कुछ दिनों से बंद हैं। अब इस आंदोलन का असर न सिर्फ यात्रियों पर पड़ रहा है, बल्कि फल-सब्जी के दाम भी बढ़ने लगे हैं। तो चलिए जानते हैं किसान आंदोलन से जुड़े सभी लेटेस्ट अपडेट्स...

किसानों के भारत बंद को टीएमसी का साथ नहीं
टीएमसी सांसद सौगत राय ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस किसानों के आंदोलन के साथ खड़ी है, मगर हम उनके भारत बंद को बंगाल में समर्थन नहीं देंगे। यह भारत

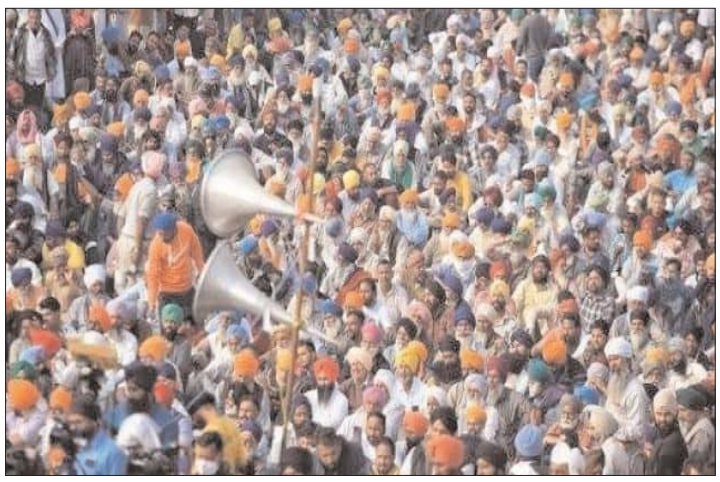

बंद हमारे सिद्धांत के खिलाफ है।

दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर लगा लंबा जाम-दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर लगा लंबा जाम। चिल्ला बॉर्डर बंद होने की वजह से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली पुलिस ने लोगों को नोएडा लिंक रोज से बचने की सलाह दी है।

केंद्र किसानों को जेल में डालना चाहता था-केजरीवाल-मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब किसान आंदोलन शुरू हुआ तो मुझे 9 स्टेडियम को जेल बनाने के लिए कहा गया। मगर हमने नहीं माना। मुझे कई फोन आये। बहुत दबाव भी था। मगर मैने अपने जमीर की सुनी। मुझे लगता है कि उस फैसले के कारण किसान आंदोलन को मजबूती मिली है। केंद्र का प्लान था कि किसानों को जेल में डालने की। मगर मंजूरी नहीं मिलने से आंदोलन मजबूत हुआ है।

मैं सीएम नहीं, सेवक बनकर आया हूं-केजरीवाल-सिंघु बॉर्डर पर पहुंचे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम शुरू से किसान आंदोलन के साथ खड़े हैं। मैं किसानों की माग से सहमत हूं। मुझे लगता है सभी मांगें जायज़ हैं। सरकार को उनकी बात माननी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मैं आज यहां मुख्यमंत्री बनकर नहीं आया। मैं यहां उनका सेवक बनकर आया हूं। मैंने यहां की व्यवस्था भी देखी है। कुछ पानी की दिक्कत है, उसे ठीक कर लिया जाएगा।

सिंघु बॉर्डर पहुंचे अरविंद केजरीवाल-सिंघु बॉर्डर पहुंचे सीएम केजरीवाल- दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सिंघु बॉर्डर पहुंचे। यहां वह किसानों से मिल रहे हैं और उनके लिए सरकार की ओर से की गई व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं।

किसान आंदोलनः सरकार और किसानों के बीच तनातनी का असर

बढ़ सकते हैं फल सब्जियों के दाम

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलनकारी किसानों द्वारा दिल्ली के अधिकांश बॉर्डर पर प्रदर्शन जारी रहने के साथ, व्यापारियों और कृषि उपज मंडियों ने रविवार को कहा कि इस सप्ताह राजधानी शहर में फलों और सब्जियों की कीमतों में तेज बढ़त की संभावना है। जब तक किसानों और सरकार का मसला हल नहीं हो जाता, ये बरकरार रहेगा। फिलहाल तीन महीने पहले संसद द्वारा पारित तीन विवादास्पद कानूनों के खिलाफ बीते 12 दिनों से किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी है। आजादपुर कृषि उपज मंडी समिति (एपीएमसी) के अध्यक्ष आदिल खान ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में आपूर्ति किए जाने वाले फलों और सब्जियों के 80त्न से अधिक दिल्ली के आजादपुर कृषि बाजार से आता है। यहां औसतन एक दिन में फल और सब्जी का आगमन लगभग 5,500 मीट्रिक टन तक गिर गया है, जबकि पिछले साल इसी समय के दौरान लगभग 11,500 मीट्रिक टन की आपूर्ति हुई थी। खान ने कहा, केंद्र सरकार को किसानों की मांगों को सुनना चाहिए और जल्द से जल्द इस मुद्दे को हल करना चाहिए। अब तक, फलों और सब्जियों की कीमत में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है क्योंकि व्यापारी पिछले एक सप्ताह से स्थानीय आपूर्ति को पूरा कर रहे हैं और राज्य से बाहर नहीं भेज रहे हैं। लेकिन अब लगभग खत्म हो गया है और आपूर्ति में गिरावट बहुत अधिक है। कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के 12 वें दिन भी अन्नदाता राजधानी की सड़कों पर डटे हुए हैं। किसानों और सरकार के बीच शनिवार को पांचवें दौर की बातचीत बेनतीजा रही है। कांग्रेस, टीआरएस, द्रमुक और आप ने केंद्र सरकार के नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान संघों द्वारा आठ दिसंबर को भारत बंद के आह्वान के प्रति रविवार को अपना समर्थन जताया। इन कानूनों को निरस्त किये जाने की मांग को लेकर दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का आंदोलन पिछले 12 दिन से जारी है। इन विपक्षी पार्टियों से पहले शनिवार को तृणमूल कांग्रेस, राजद और वामपंथी दलों ने भी बंद का समर्थन किया था। किसानों की मांग पर सरकार लगातार उनसे बातचीत कर रही है और आंदोलन खत्म करने के लिए अपील कर रही है। सरकार बीच का रास्ता निकालने की कोशिश मे जुटी है, लेकिन किसान नेता तीनों कृषि कानूनों की वापसी से कम मानने के लिए तैयार नहीं हैं।

एक और खुशखबरी

फाइजर के बाद अब सीरम इंस्टीट्यूट ने वैक्सीन कोविशील्ड के आपात उपयोग की मंजूरी मांगी, बनी पहली भारतीय कंपनी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस वैक्सीन के लिए महीनों से जारी कवायद अब रंग लाती दिख रही है। फाइजर के बाद अब सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने अपनी कोरोना वैक्सीन अपने कोविशील्ड वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल की अनुमति मांगी है। सीरम भारत में ऑक्सफोर्ड के कोविड-19 टीके कोविशील्ड के आपातकालीन उपयोग की औपचारिक मंजूरी प्राप्त करने के लिए भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) के समक्ष आवेदन करने वाली पहली स्वदेशी कंपनी बन गई। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने महामारी के दौरान चिकित्सा आवश्यकताओं और व्यापक स्तर पर जनता के हित का हवाला देते हुए यह मंजूरी दिये जोन का अनुरोध किया है। इससे पहले शनिवार को अमेरिकी दवा निर्माता कंपनी फाइजर की भारतीय इकाई ने उसके द्वारा विकसित कोविड-19 टीके के आपातकालीन इस्तेमाल की औपचारिक मंजूरी के लिए भारतीय दवा नियामक के समक्ष आवेदन किया था। फाइजर ने उसके कोविड-19 टीके को ब्रिटेन और बहरीन में ऐसी ही मंजूरी मिलने के बाद यह अनुरोध किया था। वहीं, एसआईआई ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के साथ मिलकर रविवार को देश के विभिन्न हिस्सों में ऑक्सफोर्ड के कोविड-19 टीके कोविशील्ड के तीसरे चरण का क्लीनिकल परीक्षण भी किया। आधिकारिक सूत्रों ने एसआईआई के आवेदन का हवाला देते हुए कहा कि कंपनी ने बताया है कि क्लीनिकल परीक्षण के चार डाटा में यह सामने आया है कि कोविशील्ड लक्षण वाले मरीजों और खासकर कोविड-19 के गंभीर मरीजों के मामले में खासी प्रभावकारी है। चार में से दो परीक्षण डाटा ब्रिटेन जबकि एक-एक भारत और ब्राजील से संबंधित है।

ट्रंप के बाद बाइडन भी नहीं देंगे चीन को राहत? डरा ड्रैगन बोला- बातचीत की हो शुरुआत

बीजिंग। अमेरिका के नए राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण से पहले ही चीन को जो बाइडन का डर सताने लगा है। जब तक जो बिडेन को अमेरिका की सत्ता मिलती है उससे पहले ही चीन डैमेज कंट्रोल में जुट गया है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने सोमवार को कहा है कि बीजिंग और अमेरिका को सभी स्तरों पर बातचीत शुरू करनी चाहिए। स्पुतनिक ने अमेरिका-चीन व्यापार परिषद के निदेशक मंडल के साथ बैठक में वांग के हवाले से कहा,चीन और अमेरिका को सभी स्तरों पर बातचीत शुरू करनी चाहिए, चाहे जो भी मुद्दे हो मेज पर चर्चा की जा सकती है। इस प्रकार, रणनीतिक और दीर्घकालिक मुद्दों पर संपर्क बनाए रखना संभव हो सकता है। वांग ने कहा कि चीनी पक्ष बातचीत के लिए हमेशा तैयार है।

चीनी पक्ष बातचीत के लिए हमेशा तैयार है, पक्ष बातचीत, सहयोग को बढ़ावा देने और मतभेदों को सुलझाने के लिए विषयों की एक सूची का मसौदा तैयार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पक्ष वार्ता, सहयोग को बढ़ावा देने और मतभेदों को सुलझाने

के लिए एक सूची का मसौदा तैयार कर सकते हैं। कनाडा की पत्रिका ओटावा सिटीजन के लिए टेरी ग्लेविन ने लिखा था कि इस साल के शुरुआत में फरवरी के महीने में जो बिडेन ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को ठग करार दिया था। जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शी को महान नेता कहा था। यहां तक कि हांगकांग और शिनजियांग में उठे विरोध के लिए बीजिंग को जवाबदेह ठहराने से भी इनकार कर दिया है। ग्लेविन ने लिखा है कि जो बाइडन उइगरों के बड़े पैमाने पर कारावास उनके साथ हो रहे सलूक को एक नरसंहार घोषित कर चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो साल पहले कहा था राष्ट्रपति शी और मैं हमेशा दोस्त रहेंगे...वह चीन के लिए हैं मैं अमेरिका के लिए हूं। ट्रंप ने यह भी कहा था कि इसके अलावा हम एक दूसरे को प्यार करते हैं। चीन अपने दो मुद्दे हांगकांग और शिनजियांग हैं। जहां उइगरों के साथ हो रहे अत्याचार और प्रमुख एजेंसियों के अधिग्रहण का मुद्दा गरमाता रहा है।

दुनियाभर में कोरोना से 6.7 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित, 15,35,038 लोगों ने जान गंवाई

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से दुनियाभर में प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या 6.7 करोड़ के पार पहुंच गयी है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार कोविड-19 से विश्वभर में अब तक 6,70,04,543 लोग संक्रमित हुए हैं, जबकि 15,35,038 लोगों ने जान गंवाई है। वहीं दुनियाभर में 4,30,32,444 लोग स्वस्थ हुए हैं। कोरोना से प्रभावित होने के मामले में अमेरिका पहले, भारत दूसरे तथा ब्राजील तीसरे नंबर पर है। वहीं रूस इस मामले में चौथे स्थान पर है। इधर, अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या 2,82,236 पहुंच गयी है जबकि संक्रमितों की संख्या 1,47,50,316 हो गयी है। अमेरिका का न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी और कैलिफोर्निया प्रांत कोरोना से सबसे बुरी तरह प्रभावित है। अकेले न्यूयॉर्क में कोरोना संक्रमण के कारण 34,958 लोगों की मौत हुई है। न्यूजर्सी में अब तक 17,321 लोगों की इस महामारी के कारण मौत हो चुकी है। कैलिफोर्निया में कोविड-19 से अब तक 19,921 लोगों की मौत हो चुकी है। टेक्सास में इसके कारण 23,137 लोग अब तक अपनी जान गंवा चुके हैं जबकि फ्लोरिडा में कोविड-19 से 19,177 लोगों की जान गई है।

अमेरिका में कोविड-19 से त्राहि-त्राहि, 2.82 लाख से अधिक लोगों की मौत

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से गंभीर रूप से जूझ रहे अमेरिका में इसके संक्रमण से अब तक 2.82 लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में यह महामारी विकराल रूप ले चुकी है और अब तक 1.47 करोड़ से अधिक लोग इससे संक्रमित हो चुके हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोरोना से मरने वालों की संख्या 2,82,236 पहुंच गयी है जबकि संक्रमितों की संख्या 1,47,50,316 हो गयी है। अमेरिका का न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी और कैलिफोर्निया प्रांत कोरोना से सबसे बुरी तरह प्रभावित है। अकेले न्यूयॉर्क में कोरोना संक्रमण के कारण 34,958 लोगों की मौत हुई है। न्यूजर्सी में अब तक 17,321 लोगों की इस महामारी के कारण मौत हो चुकी है। कैलिफोर्निया में कोविड-19 से अब तक 19,921 लोगों की मौत हो चुकी है। टेक्सास में इसके कारण 23,137 लोग अब तक अपनी जान गंवा चुके हैं जबकि फ्लोरिडा में कोविड-19 से 19,177 लोगों की जान गई है। इसके अलावा मैसाचुसेट्स में 11,004 जबकि पेंसिल्वेनिया में कोरोना से 11,255 लोगों की मौत हुई है। इस बीच, ऐसी उम्मीद जताई जा रही है दवा कंपनी मॉडना और फाइजर द्वारा विकसित की गयी कोरोना वैक्सीन की एक खेप को इस वर्ष के अंत तक अमेरिका के हर प्रांत में वितरित कर दिया जायेगा। मॉडना ने अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफडीए) से कोरोना वैक्सीन के आपातकालीन स्थिति में उपयोग की मंजूरी मांगी है।

महाराष्ट्र में हैवानियत की हद पार

नेत्रहीन सौतेली बेटी का बार-बार करता रहा बलात्कार

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने एक व्यक्ति को छह साल की अपनी नेत्रहीन सौतेली बेटी के साथ बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि लड़की की मां ने साल भर पहले अपने पति के गुजर जाने के बाद मुम्बरा टाउनशिप के एक व्यक्ति (44) से शादी की थी। अधिकारी के अनुसार, पिछले एक साल के दौरान आरोपी ने इस बच्ची के साथ कथित रूप से कई बार बलात्कार किया। वह यह हरकत तब करता तब उसकी पत्नी काम पर चली जाती थी। पुलिस के अनुसार जब वह (लड़की) विरोध करती थी, तब आरोपी उसे धमकी देता था। जब एक स्थानीय एनजीओ को इस कथित अपराध के बारे में पता चला तब उसने पीड़िता की मां से संपर्क किया। वैसे इस महिला को भी इस गुनाह की जानकारी थी और उसने पति से सवाल भी किया था लेकिन उसने पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी। पुलिस के मुताबिक जब एनजीओ के सदस्यों ने महिला को समझाया तब उसने शुक्रवार रात को अपने पति के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई और फिर उसे शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के खिलाफ भादंसं और बाल यौन अपराध रोकथाम अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। स्थानीय अदालत ने शनिवार को आरोपी को एक सप्ताह के लिए पुलिस की हिरासत में भेज दिया।

ट्रंप के निजी वकील गुइलानी पाए गए कोरोना पॉजिटिव, ट्रंप की पीसी में शामिल हुआ था बेटा

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के निजी वकील रुडी गुइलानी (76) कोरोना वायरस (कोविकड-19) से संक्रमित पाए गए है। इस बात की जानकारी डोनाल्ड ट्रम्प ने दी है। उन्होंने रविवार को ट्वीट कर कहा, न्यूयॉर्क के इतिहास में अब तक के सर्वश्रेष्ठ महापौर और अमेरिका के इतिहास में सबसे श्रेष्ट चुनाव का खुलासा करने के लिए बिना थके हुए काम कर रहे रुडी गुइलानी चाइनीज वायरस से संक्रमित पाये गये हैं। जल्द स्वस्थ हो जाओ रुडी। हम आगे बढ़ेंगे। हालांकि गुइलानी की ओर से अभी तक इस बारे में कोई घोषणा नहीं की गयी है। महामारी को लेकर ट्रम्प के प्रशासन की भारी आलोचना का सामना करना पड़ा है, जबकि स्वयं राष्ट्रपति खुद कोरोना की चपेट में आए थे। वर्तमान में अमेरिका में संक्रमितों की संख्या में एक लाख से अधिक मौतों की सूचना दी गई है। अधिकारियों को यह सलाह देने के लिए पर्याप्त है कि लोग अगले सप्ताह की थैंक्सगिविंग हॉलिडे के लिए घर रहें, जब अमेरिकी आमतौर पर अपने परिवारों के साथ यात्रा करते हैं। हालांकि यूएस बायोटेक के दिग्गज फाइजर और जर्मन पार्टनर बायोएनटेक ने अपने कोरोना वायरस वैक्सीन को जल्दी रोल आउट करने की मंजूरी मांगी थी।

चीन ने कर ली टीकाकरण की पूरी तैयारी

बीजिंग। चीन में प्रांतीय सरकारों ने कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए प्रायोगिक एवं स्वदेशी टीकों के ऑर्डर देने शुरू कर दिए हैं, लेकिन स्वास्थ्य अधिकारियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि ये टीके कितने कारगर हैं या इन्हें देश के 14 अरब लोगों तक कैसे पहुंचाया जाएगा। चीन के विदेश मंत्री ने पिछले सप्ताह संयुक्त राष्ट्र की एक बैठक में कहा था कि टीका बनाने वाले उनके अंतिम परीक्षण को पूरा करने का काम तेजी से कर रहे हैं। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार उप-प्रधानमंत्री सुन चुनलान ने कहा, हमें बड़े स्तर पर उत्पादन के लिए तैयार रहना चाहिए। स्वास्थ्य अधिकारियों ने पहले कहा था कि चीन इस साल के अंत तक 61 करोड़ खुराकों का निर्माण कर लेगा और इसे अगले साल तक बढ़ाकर एक अरब किया जा सकता है।

अभी अंतिम मंजूरी ना मिलने के बावजूद चीन में करीब 10 लाख स्वास्थ्य कर्मियों और अन्य लोगों को आपात स्थिति में इस्तेमाल के प्रावधान के तहत टीका लगाया जा चुका है। जिआंगसू प्रांत की सरकार ने आपातकालीन उपयोग के लिए बुधवार को सिनोवैक और सिनाफार्मा से टीके की खरीद के लिए एक नोटिस जारी किया। पश्चिम में सिचुआन प्रांत के अधिकारियों ने भी सोमवार को घोषणा की थी कि वह टीके खरीद रही है। हालांकि टीका बनाने वाली कंपनियों ने अभी तक यह नहीं बताया है कि ये टीके कितने असरदार होंगे या इनके संभावित दुष्प्रभाव क्या होंगे। इस बीच, चीनी कम्पनी सिनोवैक के कोविड-19 के टीके की 12 लाख खुराक रविवार को इंडोनेशिया पहुंची। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने कहा, हम बहुत आभारी हैं। शुक्र है कि टीका अब मौजूद है, हम अब तुरंत कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोक सकते हैं।

दुबई और म्यांमार से अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट के जरिए बिहार के रास्ते सोने की तस्करी

पटना। भारत में सोने की तस्करी हजारों किलोमीटर दूर दुबई से हो रही है। तस्करी के इस अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट में भारत के साथ कई देशों के गिरोह शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका, स्वीटजरलैंड और आस्ट्रेलिया से सोना दुबई मंगाया जाता है। इसी सोने को अलग-अलग देशों के जरिए चोरी-छुपे भारत भेजा जा रहा है। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में बैठे गिरोह दुबई के अंतर्राष्ट्रीय सिंडिकेट का हिस्सा बनकर लाखों-करोड़ों का मुनाफा कमा रहे हैं।

म्यांमार के मोरे बॉर्डर से आ रहा सोना-डायरेक्टरेट ऑफ रेवन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) ने पटना में एक से चार दिसंबर के बीच विदेशी सोने की तीन खेप पकड़ी है। इस दौरान चार करोड़ रुपए से ज्यादा का करीब पौने आठ किलोग्राम सोना बरामद किया गया। दिलचस्प है कि पकड़े गए तस्कर महाराष्ट्र के हैं। सूत्रों के मुताबिक सोने की दो खेप गुवाहाटी और इंफाल से तस्करों को मिली थी। वहीं, एक खेप में बरामद सोना तस्कर ने खुद भारत-म्यांमार के मोरे बॉर्डर पर अंदर जाकर लिया था। बाकी खेप में बरामद सोना भी म्यांमार के मोरे बॉर्डर से ही भारत लाया गया था।

क्या भूकंप से घट गई माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई कल नेपाल करेगा संशोधित हाईट का ऐलान

काठमांडू। साल 2015 में नेपाल में आए विनाशकारी भूकंप से दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट ऐरेस्ट की ऊंचाई को नुकसान पहुंचा है या नहीं, इसका पता कल यानी मंगलवार को लग जाएगा। दरअसल, नेपाल कल दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट की संशोधित ऊंचाई की घोषणा करेगा। बताया जा रहा है कि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी की ऊंचाई का सही माप लेने के लिए करीब एक साल तक डेटा कलेक्ट करने पर काम किया गया है।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, नेपाल के सर्वेक्षण विभाग ने सभी मीडिया संस्थानों और पत्रकारों को एक निमंत्रण भेजा है, जिसमें एवरेस्ट की नई ऊंचाई की घोषणा के लिए कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी गई है। सर्वेक्षण विभाग के उप महानिदेशक सुशील नरसिंह राजभंडारी ने सूचना दी है कि कल इस कार्यक्रम में उन लोगों को भी सम्मानित किया जाएगा, जो इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल थे। नेपाल सरकार ने चोटी की सही ऊंचाई को मापने का लक्ष्य रखा है कि 2015 में आए विनाशकारी भूकंप सहित विभिन्न कारणों से इसकी ऊंचाई में बदलाव आ सकता है। द राइजिंग नेपाल समाचार पत्र ने कहा कि सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा 1954 में की गई माप के अनुसार माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई 8,848 मीटर है। चीन की सरकारी संवाद एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, 1975 में चीनी सर्वेक्षकों ने माउंट एवरेस्ट को मापा था और इसकी ऊंचाई समुद्र तल से 8,848.13 मीटर ऊपर बतायी थी। सर्वे ऑफ इंडिया द्वारा 1954 में एवरेस्ट की ऊंचाई मापी गई थी, जिसके मुताबिक, इसकी ऊंचाई 8,848 मीटर थी। दुनिया की इस सबसे लंबी चोटी को नेपाल में सागरमाथा के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि 2015 में आए भूकंप से नेपाल में न सिर्फ लोगों की मौतें हुई थीं, बल्कि काफी नुकसान भी पहुंचा था।

| भारत ने ऑस्ट्रेलिया में दूसरा सबसे बड़ा टारगेट चेज किया |

भारत का टी-20 सीरीज पर कब्जा

लगातार 9 मैच जीतने वाली चौथी टीम

सिडनी ■ एजेंसी

भारतीय टीम ने 3 टी-20 की सीरीज के दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 6 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सीरीज पर 2-0 से कब्जा कर लिया है। भारत की टी-20 में यह लगातार 9वीं जीत है। वह ऐसा करने वाली वर्ल्ड की चौथी टीम बन गई है। साथ ही टीम ने ऑस्ट्रेलिया में दूसरा सबसे बड़ा टारगेट भी चेज किया है। टी-20 इंटरनेशनल में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के नाम है। उसने 2018-19 में लगातार 12 और 2016-17 में लगातार 11 मैच जीते थे।

ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ा टारगेट चेज का रिकॉर्ड भारत के ही नाम

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए दूसरे टी-20 में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 195 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में टीम इंडिया ने 19.4 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 195 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में ओवरऑल यह दूसरा सबसे बड़ा टारगेट चेज किया है। यहां सबसे बड़ा टारगेट चेज करने का रिकॉर्ड भी टीम इंडिया के ही नाम है। उसने 2016 के सिडनी टी-20 में 198 रन का टारगेट चेज किया था। ऑस्ट्रेलिया में टीम इंडिया का टी-20 में रिकॉर्ड काफी बेहतर है। वह पिछले 12 साल से ऑस्ट्रेलिया में कोई द्विपक्षीय टी-20 सीरीज नहीं हारी है। यह मुकाबला जीतकर टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओवरऑल 9 में से चौथी सीरीज अपने नाम कर ली।

विदेशी जमीन में भारत की लगातार 10वीं जीत

टी-20 में भारतीय टीम की विदेशी जमीन पर ये लगातार 10वीं जीत है। इससे पहले भारत ने वेस्टइंडीज दौरे पर 3 और न्यूजीलैंड दौरे पर 5 टी-20 जीते थे। वहीं, मौजूदा सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में 2 टी-20 शिकस्त दी है।

धवन के बाद कोहली ने मोर्चा संभाला

मैच में भारतीय ओपनर शिखर धवन ने 52 रन की पारी खेलते हुए टी-20 इंटरनेशनल में 11वीं फिफ्टी लगाई। धवन की कप्तान विराट कोहली (40) के साथ भी 39 रन की साझेदारी हुई। धवन-राहुल के आउट होने के बाद कोहली ने मोर्चा संभाला।

धवन ने एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया

शिखर धवन टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बाएं हाथ के भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 63 मैच में 28.29 की औसत से 1641 रन बनाए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड सुरेश रैना के नाम था। रैना ने 78 मैच में 29.18 की औसत से 1605 रन बनाए हैं।

वेड की फिफ्टी से ऑस्ट्रेलिया ने बनाए 194 रन

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 5 विकेट गंवाकर 194 रन बनाए। एरॉन फिंच की गैरमौजूदगी में कप्तानी संभाल रहे मैथ्यू वेड ने फिफ्टी लगाई। वेड ने 32 बॉल पर 58 और स्मिथ ने 38 बॉल पर 46 रन की पारी खेली। टीम इंडिया के टी नटराजन ने 2 विकेट लिए, जबकि शार्दूल ठाकुर और युजवेंद्र चहल को 1-1 सफलता मिली।

ओपनर वेड ने शानदार शुरूआत दी

ऑस्ट्रेलियाई ओपनर मैथ्यू वेड ने टीम को शानदार शुरूआत दी। उन्होंने डी'आर्की शॉर्ट (9) के साथ 47 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। दोनों के आउट होनेके बाद स्मिथ ने एक छोर संभाला और तीसरे विकेट के लिए ग्लेन मैक्सवेल के साथ 45 रन की पार्टनरशिप की। इसके बाद चौथे विकेट के लिए मोइसेस हेनरिक्स के साथ 48 रन की पार्टनरशिप कर पारी को आगे बढ़ाया।

चहल-बुमराह टी-20 इंटरनेशनल में भारत के टॉप विकेट टेकर

मैच में एक विकेट लेते ही युजवेंद्र चहल ने टी-20 इंटरनेशनल में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह की बराबरी कर ली। चहल ने 44 और बुमराह ने 50 टी-20 इंटरनेशनल में 59-59 विकेट लिए हैं। चहल ने मैच में स्टीव स्मिथ को आउट किया है।

कोहली-पंड्या ने वेड के आसान कैच छोड़े

छठवें ओवर की दूसरी बॉल पर हार्दिक पंड्या ने मैथ्यू वेड का बाउंड्री पर आसान सा कैच छोड़ा। इस समय वेड 43 रन बनाकर खेल रहे थे। ओवर शार्दूल ठाकुर का था। इसके बाद 8वें ओवर की आखिरी बॉल पर कप्तान विराट कोहली ने वेड का आसान सा कैच छोड़ दिया। हालांकि, इसी दौरान एक रन लेने के चक्कर में वेड रनआउट हो गए। यह ओवर वाशिंगटन सुंदर का था।

अभ्यास मैच में युवा बल्लेबाज नाकाम रहे

अजिंक्य रहाणे और पुजारा की अच्छी बल्लेबाजी से अभ्यास मैच में भारत ने 8 विकेट खोकर बनाए 237 रन

सिडनी ■ एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन भारत ने अपनी पहली पारी में 8 विकेट के नुकसान पर 237 रन बना लिए हैं। दिन का खेल खत्म होने पर इस मैच में कप्तानी कर रहे आजिंक्य रहाणे नाबाद 108 रन पर खेल रहे थे जबकि मोहम्मद सिराज ने खाता नहीं खोला था। पहले दिन भारतीय टीम के युवा क्रिकेटर नाकाम रहे हैं। वहीं अनुभवी बल्लेबाज रहाणे ने शतक जबकि टेस्ट विशेषज्ञ के नाम से लोकप्रिय चेतेश्वर पुजारा ने शानदार अर्धशतक लगाया है। रहाणे ने नाबाद 108 रन बनाये हैं जबकि पुजारा ने 54 रनों की पारी खेली। युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ और शुभमन गिल शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये। हनुमा विहारी भी केवल 15 रन बना पाये। भारत के 3 विकेट केवल 40 के स्कोर पर गिर गए थे। इसके बाद पुजारा और रहाणे ने पारी को संभाला। चौथे विकेट के लिए रहाणे और पुजारा ने 76 रनों की साझेदारी बनायी। पुजारा 54 रन बनाने के बाद पैटिंसन की गेंद पर

पेवेलियन लौटे। पुजारा ने 140 गेंदों की पारी में 5 चौके लगाए। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा अपना खाता भी नहीं खोल पाये। आर अश्विन सिर्फ 5 रन बना पाये। इसके बाद भी रहाणे मैदान पर जमे रहे। उन्होंने सातवें विकेट के लिए कुलदीप यादव के साथ मिलकर 69 रनों की साझेदारी की। पैटिनसन ने तीन विकेट लिए। तेज गेंदबाज माइकल नेसेर ने दो जबकि बर्ड ने एक विकेट हासिल किया। कप्तान ट्रेविस हेड ने अपनी आफ स्पिन गेंदबाजी से दो विकेट हासिल किए।

दक्षिण अफ्रीका-इंग्लैंड पहला एकदिवसीय रद्द

पर्ल। कोरोना महामारी के कारण दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के बीच सीरीज का पहला एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबला रद्द कर दिया गया है। टीम होटल में संक्रमण के कुछ नए मामले सामने आने के कारण यह मैच टॉस होने से पहले ही रद्द कर दिया गया। ऐसे में अब तीन मैचों की सीरीज के अगले मुकाबलों पर भी संशय व्याप्त हो गया है। ये दो मुकाबले केपटाउन में सोमवार और बुधवार को होने वाले हैं। पहला एकदिवसीय मैच शुक्रवार को खेला जाने वाला था पर संक्रमण के मामले आने के कारण ही इसे रविवार तक के लिए टाल दिया गया था। उस समय मेजबान टीम का एक खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाया गया था।

न्यूज. ब्रीफ

सेंसेक्स की छह प्रमुख कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 91,629 करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बीते सप्ताह 91,629.38 करोड़ रुपए बढ़ गया। सबसे अधिक लाभ में आईसीआईसीआई बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रहीं। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में इजाफा हुआ। वहीं दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 20,272.71 करोड़ रुपए बढ़कर 3,46,497.75 करोड़ रुपए, टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 17,579.92 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 10,22,900.07 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 16,694.01 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 2,69,449.98 करोड़ रुपए, इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 14,524.89 करोड़ रुपए बढ़कर 4,83,304.06 करोड़ रुपए, हिंदुस्तान यूनिलीवर का 11,970.99 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 5,14,118.15 करोड़ रुपए और रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 10,586.86 करोड़ रुपए बढ़कर 12,34,003.83 करोड़ रुपए पहुंच गया।

वैक्सीन और अमेरिका में प्रोत्साहन पैकेज से जुड़े घटनाक्रम तय करेंगे बाजार की दिशा

नई दिल्ली। इस सप्ताह कोविड-19 वैक्सीन से जुड़ी खबरों तथा अमेरिका में एक और प्रोत्साहन पैकेज से जुड़े घटनाक्रमों से शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों की निगाह कोरोना वायरस से जुड़ी खबरों के साथ वैश्विक घटनाक्रमों पर भी रहेगी। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स दो प्रतिशत से अधिक बढ़कर पहली बार 45,000 अंक के स्तर को पार कर गया। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका में नए प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की उम्मीद तथा कारोना वायरस से जुड़ी अच्छी खबरों से दुनियाभर के बाजारों में तेजी आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले सप्ताह घोषणा की कि कोविड-19 का टीका कुछ सप्ताह में आ जाएगा। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का मानना है कि टीके के लिए अब लंबा इंतजार नहीं करना होगा। वैज्ञानिकों की हरी झंडी मिलते ही भारत में टीकाकरण अभियान शुरू होगा। निवेशकों की निगाह कोरोना वायरस की स्थिति और वैक्सीन से जुड़े घटनाक्रमों पर रहेगी। साथ ही आर्थिक गतिविधियों पर भी उनकी नजर रहेगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि अब सभी प्रमुख घटनाक्रमों पीछे छूट चुके हैं, ऐसे में इस सप्ताह वैश्विक संकेतक शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। इसके अलावा निवेशकों की निगाह कोविड-19 टीके से जुड़ी खबरों पर भी रहेगी। कोविड-19 के टीके से जुड़ी नई खबरों तथा अमेरिका में प्रोत्साहन पैकेज की चर्चा से इस सप्ताह वैश्विक बाजारों का रुख सकारात्मक रह सकता है।

भारतीय कंपनियों का विदेशी ऋण अक्टूबर में 41 फीसदी घटकर 2.03 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली। देश की बैंकों की शीर्ष निगरानी संस्था की ओर से संतोषजनक खबर आ रही है। भारतीय कंपनियों का विदेशी बाजारों से कर्ज अक्टूबर में इससे पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 41 प्रतिशत घटकर 2.03 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। घरेलू कंपनियों ने अक्टूबर, 2019 में विदेशी बाजारों से 3.41 अरब डॉलर का कर्ज जुटाया था। समीक्षाधीन महीने में इस साल और 2019 में रुपया मूल्य वाले बांड (आरडीबी) या मसाला बांड से कोई राशि नहीं जुटाई गई। अक्टूबर, 2020 में बाह्य वाणिज्यिक ऋण (ईसीबी) मार्ग से जुटाई गई कुल राशि में से 1.73 अरब डॉलर स्वतः मंजूर मार्ग से और शेष 30 करोड़ डॉलर मंजूरी मार्ग से जुटाए गए। स्वतः मंजूर मार्ग से रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पुराने ईसीबी को चुकाने के लिए एक अरब डॉलर जुटाए। वहीं बजाज फाइनेंस तथा लार्सन एंड टुब्रो ने 10-10 करोड़ डॉलर जुटाए। एटीसी टायर्स एपी प्राइवेट लि. नई परियोजना के लिए 5.2 करोड़ डॉलर और लक्ष्मशेयर इंडिया ने 5.1 करोड़ डॉलर जुटाए। मंजूरी मार्ग से धन जुटाने वाली पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन एकमात्र कंपनी रही। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन ने दो किस्तों में 30 करोड़ डॉलर जुटाए।

नीलाचल इस्पात निगम से जुड़े पक्ष कंपनी को पटरी पर लाने के लिये रूपरेखा तैयार करें: प्रधान

नई दिल्ली। उड़ीसा की खस्ताहाल कंपनी नीलाचल इस्पात निगम लि. को व्यवस्थित रूप से चलाने लायक बनाने के लिए इससे जुड़े पक्षों इसे मंदी से उबारने के लिए प्रयास करना चाहिए। यह बात केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कही। नीलाचल इस्पात निगम लि. (एनआईएनएल) सार्वजनिक क्षेत्र के चार उपक्रमों, एमएमटीसी, एनएमडीसी, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (भेल) और मेकॉन तथा ओडिशा सरकार की दो कंपनियों आईपीआईसीओएल और ओडिशा माइनिंग कॉरपोरेशन (ओएमसी) की संयुक्त उद्यम है। कुल 11 लाख टन क्षमता का एकीकृत एनआईएनएल संयंत्र ओडिशा के कलिंगनगर में है और फिलहाल इसका कामकाज निलंबित है। यह प्रधान के पैतृक निवास स्थान अंगुल से करीब 100 किलोमीटर दूर है। इस्पात मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा, ह्यमंत्री (प्रधान) एनआईएनएल और उसके कर्मचारियों की समस्याओं पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने सभी संबद्ध पक्षों से विचार-विमर्श किया है और कंपनी को पटरी पर लाने तथा उसके कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिये रूपरेखा तैयार करने एवं उसे लागू करने को कहा है।

वैग्नर-जैमिसन की शानदार गेंदबाजी, न्यूजीलैंड ने जीता पहला टेस्ट, सीरीज में 1-0 से आगे

ब्लैकवुड का शतक बेकार, कीवी टीम पारी और 134 रन से जीती

हैमिल्टन ■ एजेंसी

वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड ने बड़ी जीत दर्ज की। कीवी टीम ने मैच को पारी और 134 रन से हरा दिया। फॉलोऑन खेल रही वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 247 रन पर सिमट गई। जरमैन ब्लैकवुड ने अपने करियर का दूसरा शतक लगाते हुए 104 रन की पारी खेली। वहीं, पहली पारी में शानदार डबल सेंचुरी लगाने वाले कप्तान केन विलियम्सन को मैन ऑफ द मैच चुना गया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने 2 मैच टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।न्यूजीलैंड के लिए नील वैग्नर और काइले जैमिसन ने शानदार गेंदबाजी कर वेस्टइंडीज बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। वैग्नर ने 4 और जैमिसन ने 2 विकेट लिए। वहीं, टिम साउदी, ट्रेंट बोल्ट और डेरिल मिचेल को 1-1 विकेट मिला।

पहली पारी में 138 रन पर सिमट गई थी विंडीज

पहली पारी में वेस्टइंडीज की पारी सिर्फ 138 रन पर ही सिमट गई थी। इसके बाद कीवी टीम ने उन्हें फॉलोऑन के लिए बुलाया। विंडीज की ओर से पहली पारी में सबसे ज्यादा 26 रन जॉन कैम्पबेन ने बनाए थे। वहीं, 6 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके थे।

कीवी टीम ने बनाए थे 519 रन

कप्तान केन विलियम्सन ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में अपना तीसरा दोहरा शतक बनाया था। उन्होंने पहली इनिंग में 251 रन बनाए थे। विलियम्सन ने तीनों डबल सेंचुरी घरेलू मैदान पर ही बनाए हैं। विलियम्सन ने अपनी पारी में 412 बॉल का सामना किया और 34 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं, न्यूजीलैंड ने 7 विकेट पर 519 रन बनाकर अपनी पहली पारी को घोषित कर दी थी।

रोच ने टेस्ट में बनाया विश्व रिकॉर्ड

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही टेस्ट में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज केमर रोच ने एक नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है। रोच ने इस मैच में अपने 200 विकेट पूरे किये। उनके अब 204 विकेट हो गये हैं और इसी के साथ ही वह दिग्गज गेंदबाज रहे एंडी रॉबर्ट्स से आगे निकल गये हैं। रॉबर्ट्स ने वेस्टइंडीज की ओर से 202 विकेट लिए थे।

इटली में स्विटजरलैंड के मार्को ओडेरमैट अल्पाइन स्की विश्व कप स्लेलोम मुकाबले में खेले हुए।

चालू वित्त वर्ष 2020-21 में जीडीपी में गिरावट आठ फीसदी से कम रहने का अनुमान

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

देश की आर्थिक विकास दर अगले वित्त वर्ष (2021-22) के अंत तक कोविड-19 के पूर्व के स्तर पर पहुंच जाएगी। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने रविवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिरावट आठ फीसदी से कम रहने का अनुमान है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी चालू वित्त वर्ष में आर्थिक विकास दर में गिरावट के अनुमान को 9.5 प्रतिशत से घटकर 7.5 प्रतिशत कर दिया है। राजीव कुमार ने अगले वित्त वर्ष के लिए विकास दर के अनुमान के बारे में पूछे जाने पर कहा कि हम निश्चित रूप से 2021-22 के अंत तक कोविड-19 के पूर्व के स्तर पर पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने विनिर्माण गतिविधियां बढ़ने से चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में उम्मीद से बेहतर सुधार दर्ज किया है। जुलाई-सितंबर तिमाही में अर्थव्यवस्था में गिरावट घटकर 7.5 फीसदी रह गई है। बेहतर उपभोक्ता मांग से आगे अर्थव्यवस्था की स्थिति और सुधरने की उम्मीद है। संपत्ति के मौद्रिकरण पर राजीव कुमार ने कहा कि यह काम मौजूदा समय में जारी है और इस पर उच्चस्तर से ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का चालू वित्त वर्ष में विनिवेश से 2.10 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है, इसमें से 1.20 लाख करोड़ रुपये केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों में हिस्सेदारी बिक्री से और 90,000 करोड़ रुपये वित्तीय संस्थानों में सरकार की हिस्सेदारी बिक्री से जुटाए जाएंगे। देश के कृषि क्षेत्र पर राजीव कुमार ने कहा कि नीति आयोग रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन दे रहा है, इसमें कृषि उत्पादन की लागत में भारी कटौती करने की क्षमता है। साथ ही इसका पर्यावरण पर भी काफी सकारात्मक असर पड़ेगा।

जीडीपी ग्रोथ पर नीति आयोग का अनुमान, कहा- साल 2021 में बदलेगी तस्वीर

यात्रा का समय घटेगा 459 किलोमीटर होगी दिल्ली-अमृतसर रेल कॉरिडोर की लंबाई, 28 दिसंबर तक किया जा सकता है आवेदन, 29 को खोले जाएंगे

दिल्ली और अमृतसर के बीच बनेगा हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

दिल्ली और अमृतसर के बीच हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने ऑनलाइन ओपन ई-टेंडर मंगाए हैं। यह आवेदन अलाइनमेंट डिजाइन, एरियल LiDAR सर्वे और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी कार्यों के लिए मंगाए गए हैं।

459 किलोमीटर लंबा होगा कॉरिडोर

इस हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की कुल लंबाई 459 किलोमीटर होगी। इस हाई-स्पीड कॉरिडोर के बनने के बाद दिल्ली और अमृतसर के बीच यात्रा का समय घट जाएगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 28 दिसंबर 2020 है। आवेदन 29 दिसंबर 2020 को खोले जाएंगे।

भारतीय कंपनियां करेंगी हाई-वैल्यू टेक्नीकल वर्क

एसोचैम की ओर से आयोजित एक वेबिनार में वीके यादव ने कहा कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का अधिकांश हाई-वैल्यू टेक्नीकल वर्क भारतीय कंपनियों की ओर से किया जाएगा। वहीं, जापानी कंपनियां सिग्नलिंग, टेलीकॉम और रोलिंग स्टॉक से जुड़ा कार्य करेंगी।

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर खर्च होंगे 1.10 लाख करोड़ रुपए

मुंबई-अहमदाबाद के बीच बनाए जा रहे बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की लंबाई 508 किलोमीटर है। इस कॉरिडोर पर 1.10 लाख करोड़ रुपए खर्च होने के अनुमान है। इसमें से 88 हजार करोड़ रुपए का लोन जापान इंटरनेशनल को-ऑपरेशन एजेंसी की ओर से दिया जा रहा है।

10 रूट पर हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाने की योजना

भारतीय रेलवे देश में 10 रूट पर हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर निर्माण की योजना बना रहा है। इसमें से 6 रेल कॉरिडोर दिल्ली से शुरू होंगे। दिल्ली से मुंबई, कोलकाता, वाराणसी, भोपाल, अमृतसर और अहमदाबाद के बीच हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाने की योजना है। इसके अलावा नागपुर-मुंबई, पटना-कोलकाता, चेन्नई-बेंगलुरु और चेन्नई-मैसूर के बीच हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर बनाए जाने की योजना है।

2025-26 तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य

इन सभी 10 हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के 2025-26 तक पूरा होने का लक्ष्य तय किया गया है। इन कॉरिडोर की अनुमानित लंबाई 6 हजार किलोमीटर है और इन पर करीब 10 लाख करोड़ रुपए के निवेश का अनुमान है।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के 70 प्रतिशत टेंडर घरेलू कंपनियों को

रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ वीके यादव ने हाल ही में कहा है कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत घरेलू कंपनियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के तहत मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के 70 प्रतिशत से ज्यादा टेंडर घरेलू कंपनियों को दिए गए हैं।

अभाक्ष महासभा ट्रस्ट का कोरोना भगाओ परिवार बचाओ जन जागरण सप्ताह का आज समापन हुआ

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट जिला ग्वालियर एवं पुलिस प्रशासन का संयुक्त अभियान कोरोना भगाओ परिवार बचाओ जन जागरण सप्ताह के समापन के अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के जिला अध्यक्ष गोपाल सिंह तोमर ने बताया कि ग्वालियर शहर में कोरोना के बढ़ते हुए मरीजों को देखते हुए अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट जिला ग्वालियर ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर कोरोना बताओ परिवार बचाओ जन जागरण सप्ताह 1 दिसंबर से 7 दिसंबर तक चलाने का निर्णय लिया। जिसमें पुलिस प्रशासन की तरफ से यातायात पुलिस के डीएसपी श्रीमान नरेश अननोटिया जी पूरे फोर्स के साथ सातों दिन ग्वालियर शहर के व्यस्ततम चौराहों पर कोरोना काल में भारत सरकार के द्वारा संक्रमण से बचाव के लिए जो भी दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं उनका हर आमजन पूरी गंभीरता से पालन करें इसको लेकर हर आमजन को जागरूक करने का काम किया।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष ने आगे बताया कि इस साप्ताहिक आंदोलन के दौरान हम ने पाया कि अधिकांश लोगों पर मास्क तो था मगर सभी लोग मास्क को जेब में रख कर चल रहे थे ऐसे लोगों को रोक कर उन सभी लोगों को समझाया कि मास्क जेब में रखकर चलने की चीज नहीं है यह आपको बीमारी से बचाने का काम करता है अतः मास्क को हर समय चेहरे पर लगाकर रखें।। इस दौरान बाजार में घूम रहे लोगों के हाथों को सैनिटाइज करवाया।। संगठन की तरफ से इन 7 दिनों के दौरान लगभग 5000 से ज्यादा मास्क का वितरण किया गया।। आज कार्यक्रम के समापन के अवसर पर मैं उन सभी लोगों का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हमारे इस प्रयास में साथ दिया और अपना सहयोग किया।। इस अवसर पर मैं विशेष रूप से ग्वालियर शहर के पुलिस अधीक्षक आदरणीय अमित सांघी जी, यातायात पुलिस के डीएसपी आदरणीय नरेश अननोटिया जी और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद कहना चाहता हूं और मैं प्रशासन को यह भरोसा दिलाता हूं भविष्य में जब भी सामाजिक कार्यों के लिए आपको आवश्यकता महसूस होगी अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट सदैव आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। आज कार्यक्रम के समापन के अवसर पर सर्व समाज के हमारे भाई और बहनों ने अपने व्यस्ततम समय में से समय निकालकर इस सामाजिक कार्यक्रम में अपना योगदान दिया मैं उन सभी मातृशक्ति एवं भाइयों को धन्यवाद करना चाहता हूं और आशा करता हूं भविष्य में भी आपके द्वारा इसी प्रकार का सहयोग मिलता रहेगा। आज कार्यक्रम के समापन के अवसर पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का भी मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने हर समय मुझे एक नई ऊर्जा देने का काम किया। आप के साथ और सहयोग से ही हम इस कार्यक्रम को सफल कर सके। आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थिति सदस्य रविंद्र सिंह तोमर, राहुल प्रताप सिंह परमार, गोपाल तोमर लोहा मंडी वाले, सुरेंद्र परमार, ऋषभ तोमर, राकेश भदोरिया, राम तोमर, मीनू सिंह तोमर, राजीव भदोरिया, सहदेव जादौन, भानू सिंह भदोरिया, धर्मेंद्र भदोरिया, अरविंद परमार, श्रीमती मंजू सिंह सेंगर, कल्पना सेंगर, बीना भारद्वाज, सुनीता जी, आदि अनेक साथियों ने भाग लिया।

रेरा की नेशनल लोक अदालत 12 दिसंबर को

ग्वालियर। म.प्र. भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) में 12 दिसंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। प्रभारी रेरा अध्यक्ष तथा सदस्य न्यायिक श्री दिनेश कुमार नायक ने बताया कि लोक अदालत के आयोजन पूर्व आवेदक तथा अनावेदकों से उनके लंबित प्रकरणों के निपटारे के लिये प्राधिकरण की प्री-सिटिंग के माध्यम से ऑनलाईन तथा ऑफलाईन चर्चा भी की गई। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से उभयपक्षों को लंबित विचाराधीन प्रकरणों के निराकरण के संबंध में बताया गया कि इससे अनावश्यक आर्थिक व्यय तथा वैधानिक उलझन की कार्यवाही से बचने में मदद मिलेगी।

सुनवाई के लिये कक्ष स्थापित- रेरा प्राधिकरण की प्रस्तावित लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन तथा प्रकरणों के निपटारे के लिये तीन खण्डपीठ की स्थापना की गई है। साथ ही प्रत्येक खण्डपीठ के लिये अध्यक्ष तथा सदस्य बनाये गये हैं। खण्डपीठ क्रमांक-03 में बैठने वाले सदस्य श्री जे.एम. चतुर्वेदी के स्थान पर अधिवक्ता सुश्री रीता मुखर्जी को बनाया गया है। खण्डपीठ क्रमांक-01 प्राधिकरण के प्रथम मंजिल सुनवाई कक्ष में स्थापित की जायेगी। खण्डपीठ क्रमांक-02 न्यायनिर्णायक अधिकारी के न्यायालीन कक्ष में तथा खण्डपीठ क्रमांक-03 प्राधिकरण की प्रथम मंजिल पर मीटिंग हॉल में स्थापित की जायेगी।

सोन चिरैया अभ्यारण्य क्षेत्र से पृथक किए गए

111.73 वर्ग किलोमीटर एरिया में सम्पत्तियों की रजिस्ट्री प्रारम्भ की जाएँ : एमपीसीसीआई

ग्वालियर। सोन चिरैया अभ्यारण्य क्षेत्र से राज्य शासन द्वारा अधिसूचना जारी करके 111.73 वर्ग किलोमीटर एरिया को पृथक किया गया है । बावजूद इसके गिरवाई, चक गिरवाई, कोटा लश्कर, बरा, नयागांव, पनिहार, रायपुर(झाला, कांसेर, आमई आमा), बरई, मालीपुरा, सुजवाया, तिधरा, बिठौली, महाराजपुरा, ओड़पुरा, सौजना, घाटीगांव, धुंआ, जखौदी, खितैरा, बसईकला, समेड़ी (झारा), कालाखेत, रामपुरा सहित 23 गांवों में भूमि व भवन की रजिस्ट्री नहीं होने से किसानों व उद्यमियों को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है । उक्त क्षेत्र में सम्पत्तियों के क्रय-विक्रय की रजिस्ट्री प्रारम्भ किए जाने हेतु एमपीसीसीआई ने जिलाधीश-श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह को पत्र प्रेषित किया है । एमपीसीसीआई, अध्यक्ष-विजय गोयल, संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल, उपाध्यक्ष-पारस जैन, मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-ब्रजेश गोयल एवं कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में कहा है कि मध्यप्रदेश शासन वन विभाग द्वारा दिनांक 16 नवम्बर,2020 को जारी अधिसूचना- क्रमांक 15-39/2005/10-2, राज्य शासन द्वारा वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम,1972 (क्रमांक 53 सन् 1972) की धारा 18(1) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों के अनुसार अधिसूचना क्रमांक 15-16-75-दस-2, दिनांक 21 मई 1981 (मध्यप्रदेश राजपत्र पत्र दिनांक 12 जून 1981 में प्रकाशित) द्वारा 512 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को घाटीगाँव 'हुकना' पक्षी (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) अभयारण्य घोषित किया गया था ।

जिलाधीश ग्वालियर को एमपीसीसीआई ने लिखा पत्र

राज्य शासन द्वारा अधिसूचना क्रमांक एफ-14-146-91-दस-2 दिनांक 21 जनवरी,1994 द्वारा 1.35 वर्गमीटर क्षेत्र को अभयारण्य से पृथक किया गया है । पदाधिकारियों ने कहा है कि वन विभाग, म. प्र. शासन द्वारा उपरोक्त अधिसूचना जारी किए जाने से अब उक्त क्षेत्रों में व्यापारिक एवं औद्योगिक गतिविधियाँ बगैर किसी अवरोध के संचालित हो सकेंगी । साथ ही, उक्त क्षेत्र में किसान एवं व्यवसाई-उद्यमी अपनी जमीन का क्रय-विक्रय कर सकेंगे । साथ ही, 'साडा' क्षेत्र में विकास को गति मिलेगी और प्रस्तावित वेस्टर्न बायपास मार्ग का निर्माण भी अब संभव होगा । एमपीसीसीआई ने जिलाधीश, ग्वालियर से माँग की है कि सोन चिरैया अभ्यारण्य क्षेत्र से पृथक किए गए 111.73 वर्ग किलोमीटर एरिया में व्यापारिक-औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने एवं नवीन निवेश को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से भूमि-भवनों की रजिस्ट्री तत्काल प्रारम्भ किए जाने हेतु रजिस्ट्रार, जिला-ग्वालियर को आदेशित किया जाए, ताकि उक्त क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिल सके । साथ ही, अभ्यारण्य से मुक्त क्षेत्र के स्थानीय लोगों को राज्य शासन द्वारा प्रदान की गई छूट का वास्तविक लाभ मिल सके।

लिपिकीय अमले की पुर्नसंरचना की अनुशंसा देने समिति गठित

ग्वालियर। राज्य शासन द्वारा शासन के लिपिकीय अमले की पुर्नसंरचना के संबंध में अनुशंसाएँ देने के लिये समिति का गठन किया गया है। समिति में श्री आई.सी.पी. केसरी, उपाध्यक्ष नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। श्रीमती दीप्ति गौड़ मुकर्जी, प्रमुख सचिव कार्मिक मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, श्री निकुंज श्रीवास्तव, आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा पदेन सचिव, नगरीय विकास एवं आवास विभाग और श्री जॉन किंग्सली, प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड तथा सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग को सदस्य बनाया गया है। श्रीमती रूही खान, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी तथा उप सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग (अतिरिक्त प्रभार) सदस्य सचिव होंगी। समिति भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में लिपिकीय अमले की नियुक्ति के लिये अर्हताएँ एवं नियुक्ति की प्रक्रिया और सेवा में निरंतर क्षमतावर्धन हेतु मार्गदर्शी सिद्धांत के संबंध में अनुशंसा देगी। समिति आवश्यकतानुसार विभागीय अधिकारियों एवं अन्य विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सकेगी एवं अपनी अनुशंसाएँ दो महीने में प्रस्तुत करेगी।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने 175 हितग्राहियों को आर्थिक सहायता के चैक सौंपे

ग्वालियर। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा है कि प्रदेश सरकार आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय एवं अन्य जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिये कटिबद्ध है। सरकार ने इन सभी के कल्याण के लिये कारगर योजनायें बनाई हैं। यह बात श्री कुशवाह ने मंत्री स्वेच्छानुदान से जरूरतमंद लोगों को आर्थिक सहायता के चैक वितरित करते समय कही। सोमवार को राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने ग्वालियर में ठाठीपुर स्थित अपने स्थानीय कार्यालय जी-13 में आयोजित हुए कार्यक्रम में 175 हितग्राहियों को मंत्री स्वेच्छानुदान से सहायता आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के सदस्यों के इलाज, भरण-पोषण, बच्चों की शिक्षा एवं अन्य जरूरतों के लिये मुहैया कराई गई है।

मंत्री स्वेच्छानुदान से दी गई है आर्थिक सहायता

लगभग 9 लाख 80 हजार रूपए की आर्थिक सहायता के चैक सौंपे। यह

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2021 के लिए फॉर्म, दावे- आपत्ति 24 दिसंबर तक लिये जायेंगे

ग्वालियर। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य जारी है। 25 नवम्बर से दावे-आपत्ति लिये जा रहे हैं। जिन नागरिकों की आयु 1 जनवरी 2021 को या उसके पूर्व 18 वर्ष हो चुकी है किंतु वे मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं हैं। वे अपना नाम निर्वाचक नामावली में शामिल करवा सकते हैं। फॉर्म, दावे-आपत्ति के लिए विशेष शिविर 12 दिसम्बर, शनिवार, 13 दिसम्बर रविवार, 19 दिसम्बर, शनिवार एवं 20 दिसम्बर रविवार को लगाये जायेंगे। अधिक जानकारी एवं सहायता के लिये टोल फ्री नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है।

ग्वालियर, इंदौर और जबलपुर की खाद्य प्रयोगशालाओं के निर्माण में तेजी लायें

ग्वालियर। राज्य खाद्य प्रयोगशाला के अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा प्रशासन अंतर्गत ग्वालियर, इंदौर और जबलपुर में 3 नई प्रयोगशालाओं के निर्माण कार्य को तेजी से साथ पूरा किया जाये। इन प्रयोगशालाओं के लिये जरूरी अधिकारी-कर्मचारियों के पदों की शासन द्वारा स्वीकृति दी जा चुकी है। इनकी भर्ती प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाये, ताकि प्रयोगशालाओं का निर्माण कार्य जब पूरा हो, तब प्रयोगशाला के लिये जरूरी स्टाफ भी उपलब्ध हो सके। यह प्रक्रिया अगले वर्ष में पूरी की जाना है। नई प्रयोगशालाओं के बनने से खाद्य पदार्थों के नमूनों की जाँच तेजी से हो सकेगी और इन प्रयोगशालाओं में कोई भी व्यक्ति स्वयं भी पदार्थों के नमूने की जाँच करवा सकेगा। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने आज मंत्रालय में आयोजित मिलावट से मुक्ति अभियान की समीक्षा बैठक में उक्त बातें कहीं। बैठक में अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण श्री मोहम्मद सुलेमान और स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. संजय गोयल एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि 9 नवम्बर से

जारी मिलावट से मुक्ति अभियान में अब तक की कार्यवाही संतोषजनक है, लेकिन अभी भी पूरी तरीके से मिलावटखोरों पर काबू पाया जाना बाकी है। अभियान को एक महीने के लिये और बढ़ाया जाये। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के रोजाना के खाने-पीने में आने वाले जरूरी खाद्य पदार्थों में मिलावट से मुक्ति दिलाने में ही अभियान की सार्थकता है।

थाना ग्वालियर पुलिस ने मासूम बच्चे का गला रेत कर घायल करने वाले बदमाश को किया गिरफ्तार

ग्वालियर। थाना ग्वालियर क्षेत्र में मासूम बच्चे का गला ब्लेड से रेतने की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघीएभापुसेने अति. पुलिस अधीक्षक शहर मध्य श्री पंकज पाण्डेय व नगर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार को संबंधित थाना प्रभारी को निर्देशित करते हुए उक्त घटना में संलिप्त बदमाश की त्वरित गिरफ्तारी के लिए आदेशित किया। वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा स्वयं थाना प्रभारी ग्वालियर निरी. श्री दीपक यादव को साथ लेकर मय थाना बल की टीम के साथ घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। आसपास के लोगों से चर्चा करने पर घटना में संदिग्ध एक व्यक्ति की उसके पहनावे व हुलिया के आधार पर जानकारी प्राप्त हुई थी। उक्त जानकारी के आधार पर पुलिस द्वारा वैज्ञानिक व डिजीटल साक्ष्यों को परखा गया। उक्त हुलिया व पहनावे के आधार पर पतारसी करने पर पुलिस को ज्ञात हुआ कि उक्त हुलिये का संदिग्ध व्यक्ति लधेड़ी थाना ग्वालियर क्षेत्र में ही निवास करता है। उक्त सूचना पर से थाना प्रभारी ने मय थाना बल के उक्त व्यक्ति का पता ज्ञात कर उसे लधेड़ी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बदमाश से पुलिस द्वारा घटना मे प्रयुक्त हथियार को बरामद कर लिया तथागिरफ्तार बदमाश से पुलिस द्वारा घटना के संबंध मे विस्तृत पूछताछ की जा रही है। सराहनीय भूमिका उक्त बदमाश की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी ग्वालियर निरी. श्री दीपक यादव उनि. बलवीर सिंह मावई भीकम सिंह तोमरए अनुपम मिश्राए प्रआर. ओमप्रकाश शर्मा, आर. संदीप जाट, कमल परिहार, संतोष राजावतए धर्मेन्द्र सिकरवारए महेन्द्र धाकड़ की मुख्य भूमिका रही।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री मोहन यादव ने जीवाजी विश्वविद्यालय एवं साइंस कॉलेज में आयोजित कार्यक्रमों में की शिरकत

ग्वालियर। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री मोहन यादव ने जीवाजी विश्वविद्यालय के चाणक्य अकादमी भवन का किया लोकार्पण । सात करोड़ रूपए की लागत से बने इस भवन में कॉमर्स एवं मैनेजमेंट की क्लासें लगाई जायेंगीं। इसके साथ ही चार ऑडिटोरियम सहित आधुनिक क्लासरूम भी निर्मित किए गए हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने की। विशेष अतिथि के रूप में क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर उपस्थित थे। उच्च शिक्षा मंत्री श्री मोहन यादव ने भवन के लोकार्पण के उपरांत सम्पूर्ण परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा सुंदर भवन तैयार किया गया है। इसमें कॉमर्स एण्ड मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को बेहतर सुविधायें उपलब्ध होंगीं। यह भवन 7 करोड़ रूपए की लागत से तीन ब्लॉक में बनाया गया है। जिसमें 16 हॉल, 28 कमरे और 17 स्टेयिंग रूम हैं। 6 हजार वर्गफुट में निर्मित इस भवन में 4 ऑडिटोरियम भी बनाए गए हैं।

विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर मिलें इसके लिये किए जा रहे हैं विशेष प्रयास

उच्च शिक्षा मंत्री श्री मोहन यादव ने जीवाजी विश्वविद्यालय के कार्यक्रम के पश्चात साइंस कॉलेज में आयोजित कार्यक्रमों में भी भाग लिया। उन्होंने साइंस कॉलेज में स्मार्ट क्लासरूम एवं विवेकानंद हॉल का लोकार्पण करने के साथ ही लैब का भी अवलोकन किया। साइंस कॉलेज के कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री सतीश सिकरवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कॉलेज के प्राचार्य व प्रोफेसरगण उपस्थित थे। उच्च शिक्षा मंत्री श्री मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा कि उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से सम्पूर्ण प्रदेश में मॉडल कॉलेज तैयार करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रोफेसरों की नई नियुक्ति के संबंध में भी सरकार तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जन भागीदारी समितियों को और सशक्त बनाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। उच्च शिक्षा मंत्री श्री यादव ने बताया कि सरकार द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो, इसके लिये कॉलेजों में एक-एक प्रोफेसर को बच्चों के प्लेसमेंट के लिये प्रभारी बनाया जा रहा है। प्रभारी प्रोफेसर विद्यार्थियों को बेहतर प्लेसमेंट कैसे मिले, इस दिशा में कार्य करेंगे। इस मौके पर जीवाजी विश्वविद्यालय परिसर में अतिथिगणों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।

यह भी थे उपस्थित- जीवाजी विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. एस के शुक्ला, कुलसचिव प्रो. आनंद मिश्रा, कार्यपरिषद सदस्य श्री अनूप अग्रवाल, डॉ. मनेन्द्र सोलंकी, श्री वीरेन्द्र गुर्जर, श्री शिवेन्द्र सिंह राठौर एवं साइंस कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष बीज विकास निगम श्री महेन्द्र यादव, साइंस कॉलेज के प्राचार्य श्री बी पी एस चौहान सहित जनप्रतिनिधिगण एवं प्रोफेसरगण उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगम हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478